mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-64 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

04 सितम्बर 2025 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

जिबावे के सिकंदर @ पेज 7

सिंगापुर के पीएम वोंग ने वित्त मंत्री सीतारमण से की मुलाकात

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। यह मुलाकात नई दिल्ली में हुई, जहां दोनों नेताओं ने भारत और सिंगापुर के बीच रिश्तों को और मजबूत करने पर बातचीत की। इस बातचीत का मकसद व्यापार, निवेश, डिजिटल तकनीक, कौशल विकास, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी और पर्यावरण जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना था। इस दौरान दोनों नेताओं ने इन सभी क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने पर जोर दिया।

बता दें कि सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। उनकी यह यात्रा भारत-सिंगापुर राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के मौके पर हो रही है। बैठक में सिंगापुर की ओर से उनके साथ कार्यवाहक परिवहन मंत्री जेफरी सिओ और विदेश मामलों की राज्य मंत्री गान सिओ हुआंग भी शामिल हुए। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह मुलाकात दोनों देशों के बीच गहरे और भरोसेमंद संबंधों की पुष्टि करती है।

51 दिन की काटी सजा, कोर्ट ने शख्स को किया बरी

महिला ने गलतफहमी में दर्ज कराया था दुष्कर्म का केस

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति ने दुष्कर्म के मामले में महिला की गलतफहमी के कारण 51 दिन जेल में बिताए। जब शिकायतकर्ता महिला ने दावा किया कि उसने किसी गलतफहमी के कारण केस दर्ज कराया था, तो कोलकाता की अदालत ने व्यक्ति को बरी कर दिया।

इस मामले में व्यक्ति को 24 नवंबर 2020 को गिरफ्तार किया गया था। बाद में 14 जनवरी 2021 को अदालत से उसे जमानत मिल गई थी। जमानत मिलने तक व्यक्ति को जेल में 51 दिन बिताने पड़े।

व्यक्ति ने खुद को बताया था निर्दोष- महिला ने अपनी शिकायत में कहा था कि वह 2017 से उस व्यक्ति के साथ रिश्ते में थी। व्यक्ति ने शादी का वादा करके साल्ट लेक के एक होटल में उसके साथ रात बिताई थी। इस दौरान उनके बीच शारीरिक संबंध बन गए। महिला ने आरोप लगाया कि अगली सुबह व्यक्ति ने शादी करने से इनकार कर दिया और वहां से भाग गया। हालांकि, व्यक्ति ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए खुद को निर्दोष बताया था।

महिला ने कहा- दोस्त ने लिखी थी शिकायत- अदालती दस्तावेजों के अनुसार, महिला ने सुनवाई के दौरान दावा किया कि उसने गलतफहमी के कारण व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अलावा उसे कुछ भी याद नहीं है। महिला ने आगे कहा कि शिकायत उसके दोस्त ने लिखी थी और उसने बिना उसकी विषय-वस्तु जाने शिकायत पर हस्ताक्षर कर दिए थे।

अहमदाबाद के स्कूल में स्टूडेंट के मर्डर का सीसीटीवी फुटेज

7 मिनट तक पेट पकड़े लड़खड़ाता रहा था नयन, 10वीं के क्लासमेट ने मारा था पेपर कटर

अहमदाबाद,एजेंसी। अहमदाबाद के सेवंथ डे स्कूल में 19 अगस्त को 10वीं के स्टूडेंट नयन संतानी की उसके ही क्लासमेट ने हत्या कर दी थी। अब 15 दिनों के बाद वारदात वाली दिन का CCTV फुटेज सामने आया है। फुटेज में नयन लड़खड़ाते हुए पेट पर हाथ रखे एंट्री गेट से वापस स्कूल में दाखिल होता दिख रहा है। स्कूल के अंदर जाकर वह जमीन पर गिर जाता है। इस दौरान स्कूल स्टाफ या सुरक्षा गार्डों की ओर से नयन की कोई मदद नहीं मिलती। सभी खड़े होकर देखते रहते हैं। इतने में ही नयन की मां और एक अन्य महिला वहां पहुंचती हैं और ऑटो रिक्शा से उसे नजदीक के अस्पताल ले जाती है।

ड्रग्स और क्लीनिकल ट्रायल नियमों में बदलाव की तैयारी

फार्मा सेक्टर को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार न्यू ड्रग्स एंड क्लीनिकल ट्रायल नियम, 2019 में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पीएम मोदी के निर्देशों के तहत फार्मास्यूटिकल और क्लीनिकल सेक्टर में नियामक नियमों को कम करके व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन 28 अगस्त 2025 के गजट में प्रकाशित हुए थे और फिलहाल इन पर आम जनता की राय मांगी गई है।

टेस्ट लाइसेंस लेने की प्रक्रिया होगी आसान : सरकार का कहना है कि इन संशोधनों का उद्देश्य दवाईयों के टेस्ट लाइसेंस लेने की प्रक्रिया को आसान और तेज बनाना है। संशोधन के बाद कुछ अहम और खतरनाक श्रेणी की दवाइयों को छोड़कर अन्य दवाइयों के लिए टेस्ट लाइसेंस लेने के लिए इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी। टेस्ट लाइसेंस लेने की पूरी प्रक्रिया के समय को भी कम किया गया है और इसे 90 दिन के बजाय घटाकर 45 दिन कर दिया गया है। इन बदलावों से हितधारकों को फायदा होगा और इससे लाइसेंस के लिए आवेदन की संख्या भी घटकर आधी रहने की उम्मीद है। केंद्र सरकार फार्मा और क्लीनिकल ट्रायल सेक्टर में नियामक सुधार कर इस क्षेत्र के विकास को तेज करना चाहती है। साथ ही वैश्विक स्तर पर इसे और बेहतर प्रतिस्पर्धी बनाने की कवायद कर रही है। इससे फार्मा सेक्टर के हब के रूप में भारत की उपस्थिति और मजबूत होगी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-बच्चे को माता-पिता दोनों के प्यार का हक

चाहे अलग देशों में रहते हों; पिता को वीडियो कॉल करने की इजाजत दी

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपने माता-पिता के प्यार का हक है। भले ही दोनों अलग-अलग रहते हों या अलग-अलग देशों में ही क्यों ना हों।

कोर्ट ने कहा कि माता-पिता के मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग को किसी भी हाल में रोका नहीं जा सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह फैसला एक पिता को अपने बेटे से बात करने से रोकने के मामले में सुनाया।

दरअसल, पिता भारत में रहता है और बेटा आयरलैंड में उनकी पत्नी के साथ है। पिता ने 9 साल के बेटे से वीडियो कॉल पर बात करने की अनुमति मांगी थी।

बेंच ने पिता की मांग को जायज ठहराते हुए आदेश दिया कि पिता बेटे से हर दूसरे रविवार को आयरलैंड के समय अनुसार सुबह 10 से 12 बजे तक दो घंटे वीडियो कॉल पर बात कर सकते हैं। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि माता-पिता दोनों सुनिश्चित करें कि यह प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के पूरी हो।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, पैरेंट्स का झगड़ा, बच्चे के लिए ठीक नहीं : बच्चे को पिता या मां से दूर करना उसके विकास और भविष्य पर बुरा असर डालता है। माता-पिता का झगड़ा बच्चे को अनावश्यक संघर्ष में झोंक देता है, जो उसकी जिंदगी और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

बच्चे को पिता से दूर करना उसके प्यार और मार्गदर्शन से वंचित करना है। अदालत ने कहा कि बच्चों की भी जिम्मेदारी है कि वे मां और पिता दोनों के संपर्क में बने रहें, ताकि उनका संतुलित विकास हो सके।

इस पूरे मामले को जानिए यह याचिका मनोज धनखर ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 4 अक्टूबर, 2024 के आदेश के खिलाफ दायर की थी। मनोज धनखर ने 26 नवंबर, 2012 को निहारिका से विवाह किया था। उनका बेटा 18 जनवरी, 2016 को पैदा हुआ। लेकिन 5 साल बाद अलग हो गए। तलाक के लिए आवेदन किया। इसके बाद बच्चे की कस्टडी को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ। पिता ने 2018 में फैमिली कोर्ट का रुख किया। शुरुआत में, उन्हें महीने में दो बार स्कूल में बच्चे से मिलने की अनुमति दी गई।

हरियाणा में 5 लाख का इनामी मैनपाल बादली गिरफ्तार,7 साल से कंबोडिया में छिपा था, चाचा की हत्या कर गैंगस्टर बना

गुरुग्राम ,एजेंसी। गुरुग्राम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने मोस्टवांटेड गैंगस्टर मैनपाल बादली को कंबोडिया से भारत लाकर गिरफ्तार कर लिया है। उस पर 7 लाख रुपये का इनाम था। करीब 10 दिन पहले कंबोडिया पुलिस ने उसे पकड़ा था। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियों और हरियाणा STF ने मिलकर गुप्त ऑपरेशन चलाकर उसे भारत लाया। अब मैनपाल को जेल में रखा जाएगा और पुलिस उससे गहराई से पूछताछ करेगी।वह लंबे समय से विदेश से अपने गैंग को चला रहा था। एसटीएफ चीफ बी सतीश बालन ने गुरुग्राम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मैनपाल बादली के गिरफ्तार करने की जानकारी साझा की।

दिल्ली में यमुना का पानी घरों में घुसा:10 हजार लोगों को हटाया;

पूरे पंजाब में बाढ़, 30 की मौत कुल्लू-मनाली में लैंडस्लाइड से 9 मौतें

हरियाणा के 1233 गांवों में बाढ़... दो हाईवे और कई सड़कें बंद, सात की मौत

पठानकोट/मंडी/गुरुग्राम/दिल्ली, एजेंसी। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में तेज बारिश का दौर जारी है। पंजाब के सभी 23 जिलों में बुधवार को भी बाढ़ जैसे हालात हैं।

1200 से ज्यादा गांवों में पानी भरा है। अब तक 30 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। सभी स्कूल-कॉलेज की 7 सितंबर तक बंद करने का फैसला लिया गया है।

हरियाणा में झज्जर, हिसार, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, अंबाला और पंचकूला के कई हिस्सों में 3-5 फीट तक पानी भरा है। यहां के 200 से ज्यादा स्कूल बंद हैं। अंबाला में हालात बदतर हैं। यहां सैकड़ों घरों में 2-4 फीट पानी भरा हुआ है। 200 से ज्यादा स्कूल बंद हैं। हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से 67 घंटे से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। इसके कारण दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान (205 मीटर) के ऊपर 206.80 मीटर पर बह रही है।

नदी के पास बना लोहे का पुल बंद किया गया है। यमुना बाजार-तिब्बती बाजार, मॉनेस्ट्री मार्केट में पानी भरा है। निचले इलाकों से 10 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। दिल्ली में स्कूल बंद रखे गए हैं।

हिमाचल में 1300 सड़कें बंद, यूपी के 20 शहरों में तेज बारिश : उत्तर प्रदेश के नोएडा में यमुना के जलस्तर के बढ़ने से 1000 फार्महाउस में पानी भर गया है। यहां पानी में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर बचाया गया। मथुरा में बाढ़ से करीब 900 परिवार प्रभावित हैं। आगरा में यमुना का पानी ताजमहल की बाउंड्री तक पहुंच गया। शहर के कई घाट और 8 श्मशान घाट पानी में डूब गए। हिमाचल प्रदेश में 1300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। पिछले 24 घंटे में 11 लोगों की मकान गिरने और लैंडस्लाइड में मौत हुई। आज सुबह कुल्लू में लैंडस्लाइड में 2 लोगों की मौत हो गई। कल शाम मंडी के सुंदरनगर में दो घरों पर लैंडस्लाइड हुई थी। हादसे में मरने वालों की संख्या 7 हो गई है। मलबे से 4 शव आज निकाले गए हैं। राज्य के 7 जिलों में स्कूल-कॉलेजों को बंद रखा गया है। मध्य प्रदेश में अब तक 970.28mm बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 104% है, जबकि अब तक 800.1mm बारिश होनी थी। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 939.8mm है। पिछले मानसूनी सीजन में औसत 1117.6mm बारिश हुई थी।

दावा: भारत को और एस-400 डिफेंस सिस्टम देगा रूस रशियन अफसर बोले- सहयोग बढ़ा रहे

SCO में मोदी बोले थे-भारत-रूस बुरे दौर में भी साथ

मुंबई, एजेंसी। रूस और भारत के बीच एस-400 मिसाइल सिस्टम की खरीद बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। रूस की न्यूज एजेंसी TASS ने एक सीनियर डिफेंस ऑफिसर के हवाले से बताया कि रूस भारत को स-400 की सप्लाई बढ़ाने के लिए तैयार है। 2018 में भारत ने रूस के साथ 5 एस -400 सिस्टम खरीदने की डील की थी। यह डील 5.4 बिलियन डॉलर (करीब ?48 हजार करोड़) थी। अब तक भारत को तीन एस-400 सिस्टम मिल चुके हैं और बाकी दो की डिलीवरी 2026-27 तक हो जाने की उम्मीद है।

ये वही डिफेंस सिस्टम है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हवा में ही मारकर नाकाम किया था।

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बातचीत हुई थी। मोदी ने पुतिन को दोस्त बताया था। मोदी ने कहा था कि भारत-रूस बुरे वक्त में भी एक-दूसरे के साथ खड़े थे। इस डील से अमेरिका भारत पर सेंक्शन लगा सकता है ।

चीन ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें दिखाईं

विक्ट्री डे परेड में माओ जैसी ड्रेस में पहुंचे राष्ट्रपति जिनपिंग; कहा- हम डरते नहीं, आगे बढ़ते हैं

बीजिंग, एजेंसी। दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार के 80 साल पूरे होने पर चीन में बुधवार को विक्ट्री डे परेड मनाया गया। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राजधानी बीजिंग के थियानमेन चौक पर परेड की सलामी ली। जिनपिंग के भाषण के बाद सैन्य परेड निकाली गई। जिनपिंग ने कहा कि चीन किसी की धमकियों से नहीं डरता और हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने लोगों से इतिहास याद रखने और जापान के खिलाफ लड़ने वाले सैनिकों को सम्मान देने की अपील की। BBC ने बताया कि परेड में हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल्स, YJ-21 एंटी-शिप क्रूज मिसाइल और JL-3 पनडुब्बी से छोड़ी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शामिल थी।

अरशद मदनी बोले- बेदखली अभियान दुर्भाग्यपूर्ण, सुप्रीम कोर्ट के नियमों का उल्लंघन

असम सीएम ने कहा- मदनी खुदा नहीं, ज्यादा किया तो जेल भेज दूंगा

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के गोलपाड़ा में हिमंता सरकार द्वारा चलाए जा रहे बेदखली अभियान के बाद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सात सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। अध्यक्ष अरशद मदनी ने मंगलवार को कहा कि बेदखली अभियान सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित नियमों के अनुसार होने चाहिए।

मदनी ने कहा- असम सरकार को बेदखली के लिए व्यवस्था के भीतर काम करना चाहिए, न कि इसे नफरती ढंग से करना चाहिए। हालांकि, असम ष्टरू ने मौलाना मदनी की टिप्पणी का खंडन किया और जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सरमा ने कहा- मदनी कौन है, क्या खुदा है। कांग्रेस है तभी मदनी की बहादुरी है। भाजपा के समय में मदनी की बहादुरी का कोई सबूत नहीं है। अगर वह ज्यादा करते हैं, तो मैं मदनी को जेल भेज दूंगा। मुख्यमंत्री मैं हूं, मदनी नहीं।

अरशद मदनी बोले- व्यवस्था का उल्लंघन हो रहा, यह निंदनीय : मदनी ने मीडिया से कहा, राज्य में बेदखली अभियान चलाया जा रहा है। मैं कल कई इलाकों में गया। यहां जो किया जा रहा है, उसे देखकर दुख होता है। मुझे बहुत दुख हुआ, खासकर इसलिए क्योंकि समुदाय और देश एक व्यवस्था के तहत बनते हैं। अगर व्यवस्था का उल्लंघन करके कुछ भी किया जाता है, उसे अनदेखा किया जाता है और कुचला जाता है, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण और दर्दनाक हो जाता है। इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है।

सरमा ने कहा था- हर मुस्लिम बांग्लादेश जाए

इससे पहले ष्टरूसरमा ने कहा था कि जमीयत नेता अगर राज्य में आकर कुछ करते हैं तो उनको गिरफ्तार कर बांग्लादेश भेजा जाएगा। इस पर मदनी ने कहा, मैं कल से उनके राज्य में हूं। वे कह रहे हैं कि हर मुसलमान को बांग्लादेश भेज दिया जाना चाहिए। इसलिए जो लोग इस देश में नफरत फैला रहे हैं उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा- नफरती चिंटुओं को पाकिस्तान चले जाना चाहिए। उन्हें इस खूबसूरत देश में, जहां सौहार्द और प्राचीन सभ्यता है, क्यों रहना चाहिए? हम ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करके सबसे पुरानी और महान सभ्यता नहीं बन गए।

डर के साए में कट रही रात, यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के पार

दिल्ली में बिगड़े हालात; लोगों ने सुनाई आपबीती

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर, गढी मांडू, यमुना खादर समेत अन्य इलाकों में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। नदी अपने किनारों को पार करके आबादी वाले इलाके के करीब पहुंच गई है। हर घंटे के साथ नदी का बढ़ता जलस्तर स्थानीय निवासियों को डरा रहा है। लोग दहशत में हैं कि बाढ़ कहीं उनकी जीवन भर की पूंजी न बहा ले जाए। निवासियों का आरोप है कि शासन-प्रशासन ने समय रहते राहत की ठोस व्यवस्था नहीं की, जिसके चलते मुश्किल और बढ़ गई है। बाढ़ के डर से कई परिवार इलाका छोड़कर किराए के मकानों में शरण लेने की तैयारी में है। मंगलवार को उस्मानपुर की तंग गलियों में पानी भरने लगा। इससे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के घरों में पानी घुस गया। इलाके में बिजली काट दी गई है, जिससे रातें और डरावनी हो गई हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन ने न तो समय पर चेतावनी जारी की और न ही राहत शिविरों की समुचित व्यवस्था की।

कई लोग अपने सामान खुद ही ऊंचे स्थानों पर ले जाने की जद्दोजहद में लगे हैं। बारिश और कीचड़ ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

मुसीबत में खोज रहे मुनाफा

पानी बढ़ने से अपना घर छोड़ने का मन बना रहे लोगों का कहना है कि बाढ़ के डर से कई परिवार उस्मानपुर छोड़कर नजदीकी इलाकों जैसे सीलमपुर, शास्त्री पार्क या मयूर विहार में किराए के मकान तलाश रहे हैं। बढ़ती मांग के कारण इन क्षेत्रों में किराए में 20 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुसीबत में देखकर लोग मदद करने की सोचते हैं लेकिन यहां तो कई मकान मालिक मुनाफा कमाने में लगे हैं।पानी हमारे घरों के इतने करीब आ गया है कि रात को नींद नहीं आती। बच्चे डर रहे हैं। प्रशासन ने एक बार भी नहीं पूछा कि हमें क्या चाहिए। राहत शिविर का नाम सुनते हैं, लेकिन वहां खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं। अब किराए पर कमरा लेना पड़ेगा, लेकिन कमाई पहले ही ठप है।

ब्रह्म पाल खटाना,
प्रधान, पुराना उस्मानपुर

हमारा घर निचले इलाके में है, पानी दरवाजे से कुछ मीटर ही दूर है। 2023 में भी बाढ़ आई थी, लेकिन इस बार प्रशासन ने कोई मदद नहीं की। ऐसे में बच्चें रात को बच्चे रोते हैं, कहते हैं पानी आ जाएगा। हम कहां जाएं? किराए पर रहने के लिए पैसे कहां से लाएं? - रविंद्र चौधरी, स्थानीय निवासीपानी इतना करीब है कि अब घर में रहना मुश्किल हो गया है। हम लोग पास के रिश्तेदारों के यहां या किराए के मकान में जाने की सोच रहे हैं। लेकिन ये सब इतना आसान नहीं। सरकार को चाहिए कि पहले बाढ़ की चेतावनी दे और रहने की व्यवस्था करे।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली सरकार मनाएगी सेवा पखवाड़ा, शासन शुरू करेगा जनहित की 75 सेवाएं

दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाएगी। इस दौरान 75 नई सेवाएं और योजनाएं जनता को सौंपी जाएंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लंबे समय से रुके काम की शुरुआत होगी।मुख्यमंत्री ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ये सेवा पखवाड़ा केवल औपचारिक आयोजन नहीं होगा, बल्कि जनता को वास्तविक लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी ये नहीं देखा कि किस राज्य में किस पार्टी की सरकार है, उन्होंने हर राज्य और हर नागरिक के लिए समान रूप से काम किया है। दिल्ली सरकार भी उसी भावना से उनके सम्मान में सेवा पखवाड़ा आयोजित करेगी।

दिल्ली के लिए खास परियोजनाएं शुरू होंगी:मुख्यमंत्री ने बताया कि सेवा पखवाड़े में 150 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन, कड़ाई से सफाई अभियान, पांच बड़े अस्पतालों के उद्घाटन, शिक्षा, आवास, परिवहन और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

एसटीएफ ने मोबाइल तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का किया भंडाफोड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराज्यीय और क्रॉस-बॉर्डर मोबाइल तस्करी सिंडिकेट का खुलासा किया है। साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट और एसटीएफ को बीती शाम खुफिया जानकारी मिली थी कि मोबाइल फोन चोरी के एक बड़े रिसीवर मोहतर शेख अपने दो सहयोगियों के साथ दक्षिण-पूर्व दिल्ली के सराय काले खां इलाके में सक्रिय है।

इस सूचना के आधार पर एसटीएफ ने तुरंत एक टीम गठित की और वंडर पार्क के पास जाल बिछाया। शाम करीब 7:15 बजे टीम ने मोहतर शेख को उनके दो सहयोगियों के साथ आईएसबीटी की ओर से आते हुए देखा। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तिकड़ी को घेर लिया और उन्हें हिरासत में ले लिया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से तीन बैग बरामद हुए। जिनमें कुल 228 महंगे मोबाइल फोन थे। इसके अलावा, एक .315 बोर की पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस भी मिले। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

खिड़की से घरों में घुसकर करते थे चोरी, नाबालिग समेत दो पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। मुखर्जी नगर थाना पुलिस ने खिड़की से घरों में घुसकर चोरी करने वाले नाबालिग समेत दो बदमाशों को पकड़ा है। इनके कब्जे से एक चोरी का लैपटॉप और दो मोबाइल बरामद किए हैं।

उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 28 अगस्त को मुखर्जी नगर में रहने वाले सारस्वत ने उसके कमरे से मोबाइल और लैपटॉप चोरी की शिकायत दी थी। पीड़ित दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कालेज का तृतीय वर्ष का छात्र है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के जरिये बदमाश की पहचान करने के बाद उसे पकड़ लिया। वहीं, पुलिस ने एक अन्य मामले में शामिल कौशल गोस्वामी उर्फ सोनू को सीसीटीवी कैमरे की मदद से गिरफ्तार कर लिया।

उमर खालिद और शरजील इमाम को बड़ा झटका हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 के दंगों से जुड़े एक यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम समेत 10 आरोपियों को जमानत देने से इन्कार कर दिया। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की खंडपीठ ने नौ आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। वहीं जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तसलीम अहमद की याचिका खारिज की। दंगे में 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

हाईकोर्ट ने 9 जुलाई को आदेश सुरक्षित रखा था और मंगलवार को फैसला सुनाया।

सभी आरोपी 2020 से जेल में हैं। इन्होंने ट्रायल कोर्ट से जमानत याचिकाएं खारिज होने के बाद हाईकोर्ट का रुख किया था। अभियोजन पक्ष ने जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि यह पूर्व-नियोजित साजिश का मामला है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि यह भारत को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने की साजिश थी और केवल लंबी अवधि तक जेल में रहना जमानत का आधार नहीं हो सकता। उमर खालिद, शरजील इमाम, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद की जमानत याचिकाएं हाईकोर्ट में 2022 से लंबित थीं।वहीं इमाम के वकील ने तर्क दिया कि वह जगह, समय और खालिद सहित सह-आरोपियों से पूरी तरह से अलग थे। उनके भाषणों और व्हाट्सएप चैट में कभी भी किसी अशांति का आह्वान नहीं किया गया था। खालिद, इमाम और कई अन्य लोगों पर फरवरी 2020 के दंगों के कथित मास्टरमाइंड होने के लिए गैरकानूनी गतिविधिया (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आईपीसी के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे। सीएए और एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी थी।

सुप्रीम कोर्ट में अपील की तैयारी:गौरतलब है कि फरवरी 2020 में दिल्ली में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़की थी। इस हिंसा के पीछे साजिश रचने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद और शरजील इमाम को मास्टरमाइंड बताया था। पुलिस ने इनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया था।

प्रदूषण से राहत के लिए मिस्टिंग प्रणाली को विस्तार देने का फैसला, यह है एनडीएमसी की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने मिस्टिंग प्रणाली को विस्तार देने का निर्णय लिया है। लोधी रोड पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर स्थापित स्वचालित मिस्टिंग प्रणाली के उत्कृष्ट परिणाम आने के बाद इसे नई दिल्ली क्षेत्र की 24 प्रमुख सड़कों तक फैलाया जाएगा। यह कार्य अगले वर्ष फरवरी तक पूरा होगा। इस योजना पर 15 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे।

एनडीएमसी ने कुछ समय पहले लोधी रोड पर स्वचालित मिस्टिंग प्रणाली स्थापित की थी। उसका यह प्रयोग सफल रहा और विभिन्न सरकारी एजेंजी पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, फरीदाबाद व गुरुग्राम नगर निगम ने भी इसकी सराहना की। लोधी रोड पर मिले इस सकारात्मक अनुभव ने राजधानी की अन्य सड़कों पर भी इसी प्रणाली को लागू करने का रास्ता खोल दिया।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल के अनुसार, प्रदूषण की समस्या को प्राथमिकता पर हल करने के लिए नई दिल्ली क्षेत्र की प्रमुख एवेन्यू सड़कों पर इस प्रणाली का विस्तार किया जाए। पहले चरण में बाराखम्बा रोड, फिरोज शाह रोड, सिकंदरा रोड, भगवान दास रोड, कॉपरनिकस मार्ग, तिलक मार्ग, शंकर रोड, मंदिर मार्ग, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, सुब्रमण्यम भारती मार्ग समेत 24 सड़कों पर यह योजना लागू होगी। इस तरह काम करेगी मिस्टिंग प्रणाली

मिस्टिंग प्रणाली के तहत उच्च क्षमता वाले पंप, आधुनिक नोजल्स, आरओ यूनिट, स्टेनलेस स्टील पाइप्स और नायलॉन पाइप्स का उपयोग होगा। प्रत्येक सड़क पर पंप हाउस (पोर्टा केबिन) स्थापित किए जाएंगे। ये सभी उपकरण मिलकर वातावरण में महीन जलकणों का छिड़काव करेंगे, जिससे हवा में मौजूद धूल और सूक्ष्म कण कम होंगे। धूल के दोबारा उड़ने की समस्या घटेगी। वायुजनित प्रदूषकों का स्तर नीचे आएगा। वातावरण में नमी बढ़ेगी और गर्मी व प्रदूषण से राहत मिलेगी। इस प्रणाली से लोगों को सांस लेने के लिए अपेक्षाकृत स्वच्छ हवा मिलेगी और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम घटेंगे।

425 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी में ईडी के 10 जगह छापे... 9 दिल्ली में, डिजिटल सबूतों की जांच

दिल्ली ,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को दिल्ली और महाराष्ट्र में दस जगहों पर छापे मारे। 425 करोड़ रुपये के बैंक कर्ज घोटाले के मामले में दिल्ली में नौ और पुणे में एक जगह पर यह कार्रवाई की गई। ईडी की जांच गुप्ता एग्जिम इंडिया प्राली (जीईआईपीएल), प्रमोटरों व निदेशकों के खिलाफ चल रही है।

केस सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है। इसमें आरोप था कि कंपनी ने पंजाब नेशनल बैंक (पूर्व में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स) से 425 करोड़ रुपये का कर्ज लिया। यह कर्ज कारोबार विस्तार के लिए लिया गया था। इस राशि को जीईआईपीएल ने अपनी छद्म कंपनियों के खातों में भेजा। इसके बाद नकली इनवॉइस और फर्जी बिलिंग से निकाल लिया। फिलहाल ईडी दस्तावेज व डिजिटल सबूत खंगाल रहा है।

तेल पर और ज्यादा रियायत और एस-400 की सप्लाई बढ़ाएगा रूस, अमेरिकी टैरिफ के बीच पुतिन का भारत को तोहफा

मॉस्को, एजेंसी। भारत द्वारा रूस से खरीदे जा रहे कच्चे तेल पर जल्द ही और ज्यादा रियायत मिल सकती है। साथ ही भारत और रूस से और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भी मिल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ दबाव बनाने के बीच ये रूसी राष्ट्रपति पुतिन का भारत के लिए तोहफा माना जा रहा है। भारत पहले ही रूस से डिस्काउंट पर तेल खरीद रहा है और अब और ज्यादा डिस्काउंट मिलने से भारत का काफी पैसा बचेगा।

कच्चे तेल पर रियायत से मिलेगी बड़ी राहत मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूराल क्रूड की कीमत अब ब्रेंट क्रूड की तुलना में 3-4 डॉलर प्रति बैरल कम हो सकती है। सितंबर के अंत में और अक्तूबर माह में इस छूट का लाभ मिल सकता है। बीते हफ्ते यह छूट 2.50

डॉलर प्रति बैरल थी और जुलाई माह में यह 1 डॉलर प्रति बैरल थी। बीते महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिनमें से 25 प्रतिशत टैरिफ रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए लगाया गया था। अमेरिका का आरोप है कि भारत के रूस से कच्चा तेल खरीदने से यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषण मिल रहा है। टैरिफ से भारत पर आर्थिक दबाव पड़ा है, लेकिन अब अगर रूस से कच्चे तेल पर और ज्यादा रियायत मिलती है तो यकीनन इससे भारत पर पड़ रहा आर्थिक दबाव कुछ हद तक कम होगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर माह में भारत द्वारा खरीदे गए रूसी कच्चे तेल में अगस्त के मुकाबले 10-20 प्रतिशत का उछाल आया था यानी कि भारत ने रूस से 1.50 लाख से 3 लाख बैरल की अतिरिक्त खरीद की थी। अब और छूट मिलने पर यह संख्या और बढ़ सकती है।

भारत को एस-400 की सप्लाई बढ़ेगी मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि भारत और रूस के बीच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद को लेकर बातचीत चल रही है। भारत और रूस के बीच साल 2018 में ही 5.5 अरब डॉलर में पांच एस-400 डिफेंस सिस्टम की डील हुई थी, जिनमें से तीन सिस्टम भारत को मिल चुके हैं और बाकी दो एस-400 सिस्टम साल 2026 और 2027 में मिलने की उम्मीद है। रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री टेक्निकल कॉपरेशन के मुखिया दिमित्री सुगायेव के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि एस-400 को लेकर दोनों देश सहयोग बढ़ाने पर बातचीत कर रहे हैं और इसके चलते और डील हो सकती है और फिलहाल इसके लिए बातचीत चल रही है।

ऐसे लोगों पर नहीं लागू कर सकते कानून, एलियन एनिमीज एक्ट 1798 के इस्तेमाल पर ट्रंप को संघीय अदालत से झटका

04**वाशिंगटन,एजेंसी।** एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को करारा झटका दिया है। एलियन एनमीज एक्ट, 1798 के इस्तेमाल के मामले में संघीय अपील अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया। इसमें अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून एलियन एनमीज एक्ट, 1798 का इस्तेमाल उन लोगों को तेजी से निर्वासित करने के लिए नहीं कर सकते जिन्हें उनकी सरकार वेनेजुएला के आपराधिक गिरोह का सदस्य बताती है।

अमेरिका की 5वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 2-1 के फैसले में निचली अदालतों और आप्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं की दलील से सहमति जताई। अदालत ने कहा कि यह कानून केवल युद्धकाल में दुश्मन देशों के नागरिकों के खिलाफ लागू करने के लिए बना था, न कि आपराधिक संगठनों जैसे ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ इस्तेमाल के लिए।

बता दें कि ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने मार्च में कार्रवाई शुरू की थी। ट्रंप प्रशासन ने ट्रेन डे अरागुआ से जुड़े लोगों को निर्वासित कर अल सल्वाडोर की कुख्यात जेल में भेज दिया था और दलील दी थी कि अमेरिकी अदालतें उन्हें वहां से रिहा करने का आदेश नहीं दे सकतीं।

अदालत का यह फैसला तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ समेत अपने कई फैसलों को लेकर आलोचनाएं झेल रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की आव्रजन नीति के लिए यह फैसला बड़ा झटका माना जा रहा है। अब यह मामला अंतिम रूप से अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में जाएगा, जहां इसका निपटारा होगा।

नेपाल में विदेशी नागरिकों पर निगरानी रखने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में विदेशी नागरिकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नेपाल सरकार ने ट्रैकिंग प्रणाली की शुरुआत की है। विदेशी नागरिकों द्वारा धर्म परिवर्तन, मानवतस्करी जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल होने से लेकर वीजा की अवधि से अधिक दिनों तक रहने वाले विदेशी नागरिकों पर नजर रखने में यह प्रणाली कारगर साबित होगी।

गृह मंत्रालय के अंतर्गत रहे आव्रजन विभाग ने नेपाल में आने वाले सभी विदेशी नागरिकों पर नजर रखने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत करने जा रही है। इसके लिए विमान से हवाई अड्डे पर आने के बाद सभी विदेशी नागरिकों को एक ऐप डाउनलोड करके उसमें अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। आवज्रन विभाग सबसे पहले इसकी शुरुआत काठमांडू से करने जा रहा है।

आवज्रन विभाग के महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने बुधवार को घोषणा की है कि वह नेपाल में विदेशियों के प्रवेश, ठहरने और गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 17 सितंबर, 2025 से विदेशी नागरिकों के पंजीकरण और ट्रैकिंग प्रणाली (एफएनआरटीएस) को लागू

करेगा। महानिदेशक तिवारी के अनुसार, इस प्रणाली को चरणों में लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया पहले चरण में, इसे 17 सितंबर से काठमांडू के भीतर सभी स्टार होटलों में लागू किया जाएगा। दूसरे चरण में, 16 नवंबर से शुरू होने वाले, इस प्रणाली का विस्तार सभी स्टार होटलों, एयरलाइनों, पर्यटन और ट्रैवल एजेंसियों, मनी एक्सचेंज तक किया जाएगा।

महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक धीरे-धीरे अन्य होटलों, अतिथि गृहों और सेवा प्रदाताओं तक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली को विदेशी नागरिकों के रिकॉर्ड को बनाए रखने, उनकी सुरक्षा बढ़ाने, आपात स्थितियों में खोज और बचाव कार्यों को सुविधाजनक बनाने और सुरक्षा एजेंसियों और पर्यटन हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसके साथ ही विदेशी नागरिकों द्वारा नेपाल में मानवतस्करी एवं संगठित अपराधों सहित कई गैर कानूनी गतिविधि में शामिल होने, धर्म परिवर्तन जैसे असंवैधानिक कार्य में लिप्त होने और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद लंबे समय तक यहां छिप कर रहने वाले विदेशी नागरिकों पर निगरानी रखने के लिए यह प्रणाली कारगर साबित होने वाली है। विदेशी नागरिकों की सेवा करने वाले सार्वजनिक और निजी संस्थानों को इस प्रणाली के साथ एकीकरण करना आवश्यक है। पंजीकरण और उपयोगकर्ता नियमावली के बारे में विवरण आप्रवासन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।कि बातचीत और निरंतर राजनयिक जुड़ाव के कारण, भारतीय रिफाइनरीज से शुरुआती संकेत मिले हैं कि वे रूसी तेल आयात में कमी कर सकती हैं। बयान में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के चलते दोनों देशों के बीच आए आर्थिक तनाव से ये दबाव बना है। भारतीय रिफाइनरीज द्वारा रूसी तेल करना एक महत्वपूर्ण बदलाव है,

भारतीय रिफाइनरीज ने रूसी तेल आयात में कमी के दिए संकेत, अमेरिकी सांसद का बड़ा दावा

वॉशिंगटन ,एजेंसी। अमेरिकी सांसद ब्रायन फिट्जपैट्रिक ने दावा किया है कि अमेरिका के लगातार दबाव के चलते भारतीय रिफाइनरीज ने रूसी तेल आयात में कमी के संकेत दिए हैं। फिट्जपैट्रिक ने भारत की एक उच्च स्तरीय खुफिया यात्रा के बाद ये दावा किया है। फिट्जपैट्रिक ने भारत के साथ ही दक्षिण एशिया के कई अन्य देशों का भी दौरा किया, जिनमें पाकिस्तान और नेपाल भी शामिल हैं। दक्षिण एशिया के अपने दो सप्ताह के मिशन में समापन पर ब्रायन फिट्जपैट्रिक और उनकी टीम ने मंगलवार को एक बयान जारी किया, जिसमें बताया गया कि उनकी भारत में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात हुई।अमेरिकी सांसद का दावा- टैरिफ दबाव का हुआ असर बयान में कहा गया है

सीमेंट प्लांट के खिलाफ कांग्रेस का विरोध, समस्याओं को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन; 15 दिन का अल्टीमेटम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझिगवां-बघवार स्थित सीमेंट प्लांट के खिलाफ कांग्रेस ने बुधवार को मोर्चा खोल दिया। पूर्व जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अध्यक्ष केडी सिंह और युवा नेता ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीण कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी से मिले।

ग्रामीणों ने कंपनी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्लांट में दुर्गंधयुक्त कचरे के उपयोग से वायु प्रदूषण फैल रहा है। कंपनी के स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ डॉक्टर और बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। सरदार पटेल और जय ज्योति स्कूल में स्थानीय बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

स्थानीय रोजगार की समस्या भी गंभीर है। कंपनी स्थानीय बेरोजगारों और संविदाकारों को नौकरी नहीं दे रही है। क्लिंकर परिवहन में बाहरी ट्रांसपोर्टरों को प्राथमिकता दी जा रही है। माइंस क्षेत्र में आदिवासी बस्तियों का विस्थापन एक बड़ी समस्या है।

प्रदूषण से कृषि भूमि की उर्वरता कम हो रही है। ब्लास्टिंग से ग्रामीणों की सुरक्षा खतरे में है। कंपनी सीएसआर और खनिज निधि का सही उपयोग नहीं कर रही है। अधिगृहीत वन भूमि की भरपाई दूरस्थ क्षेत्रों में की जा रही है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर को चेतावनी दी है कि अगर 15 दिन में इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे कंपनी के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

लखनपुर-देवरा जंगलों में 4 हाथियों का मूवमेंट, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के रास्ते आए, वन विभाग की 3 टीमें कर रही निगरानी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जयसिंह नगर वन परिक्षेत्र के लखनपुर और देवरा के जंगलों में चार जंगली हाथियों का मूवमेंट देखा गया है। लखनपुर बीट के निगाई गांव के ग्रामीणों ने हाथियों को देखकर वन विभाग को सूचना दी।

ग्रामीणों की सुरक्षा हेतु टीमें कर रहीं निगरानी: डीएफओ श्रद्धा पंद्रे ने बताया कि ये हाथी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से मानपुर और खन्नौधी के रास्ते यहां आए हैं। वन विभाग ने आसपास के गांवों में मुनादी करवाई है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए अगले गांवों में सुरक्षा उपाय किए गए हैं। वन विभाग की तीन टीमें हाथियों की निगरानी कर रही हैं। रेंजर ने ग्रामीणों से हाथियों से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत देने को कहा है। दक्षिण वन मंडल के बाणसागर डैम के बैकवाटर से सटे जंगलों में पिछले एक वर्ष से 22 हाथियों का समूह भी दिख रहा है।

भोजन की तलाश में गांवों की ओर बढ़ते हाथी: वन विभाग के अनुसार हाथी भोजन की तलाश में गांवों की ओर बढ़ते हैं। इससे ग्रामीणों की समस्याएं बढ़ जाती हैं। हाल ही में बुढार वन परिक्षेत्र में भी हाथियों ने कुछ घरों को नुकसान पहुंचाया था।

काली मंदिर का ताला तोड़कर चोर ले गए दानपेटियां, सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई घटना

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के बुढार थाना क्षेत्र में चोरों ने वार्ड नंबर 8 स्थित काली मंदिर को निशाना बनाया। मंदिर का ताला तोड़कर चोर दो दान पेटियां चोरी कर ले गए। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें एक चोर मंदिर का ताला तोड़ते और दूसरा सड़क पर मोटरसाइकिल लेकर खड़ा दिखाई दे रहा है।

दान पेटियों में करीब 10 हजार रुपए होने का अनुमान

चोर को जब सीसीटीवी कैमरे का पता चला, तो उसने कैमरा भी तोड़ दिया। शिकायतकर्ता देवेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि दान पेटियों में हजारों रुपए थे। बुढार थाना प्रभारी संजय जयसवाल के अनुसार दान पेटियों में करीब 10 हजार रुपए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि बुढ़ार नगर में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी जयसवाल ने बताया कि आसपास के इलाकों में तलाश की जा रही है। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करेगी।

बिजली पोल नहीं लगाए, बल्लियों से लटके तार

20 साल से परेशानी, लोग बोले- कंपनी हर महीने बिल वूसल रही

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में विद्युत कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। कंपनी बिजली बिल तो हर महीने वसूल रही है, लेकिन कई गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं लगाए गए हैं। माडा क्षेत्र की कांजी ग्राम पंचायत में स्थित भाडी गांव में आज तक विद्युतीकरण नहीं हुआ है। यहां के निवासी अपने खर्च पर बांस-बल्ली लगाकर और तार खरीदकर बिजली का प्रबंध कर रहे हैं। इस अव्यवस्था के कारण दुर्घटनाएं होने का खतरा बना रहता है। साथ ही तार चोरी की घटनाएं भी होती रहती हैं। बताया गया कि 2 किलोमीटर दूर एक दूसरे गांव में बिजली है, लोग वहां से बिजली लेकर आए हैं। लगभग 20 से 25 सालों पहले से लाइट का ऐसा ही सिस्टम चल रहा है।

लोग बोले- शिकायत पर भी कार्रवाई नहीं हुई: गांव की निवासी राजकुमारी शाह ने बताया कि सालों से यह समस्या बनी हुई है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। टूटे तारों से दुर्घटना का खतरा रहता है। विधायक को कई बार अवगत कराया, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिले हैं।

स्थानीय निवासी अंजनी कुमार पटेल के अनुसार, लगभग 50 घरों की बस्ती में न तो ट्रांसफॉर्मर है और न ही बिजली के खंभे। लोगों को 2 किलोमीटर दूर से बांस-बल्ली के सहारे बिजली लानी पड़ती है।

एक दर्जन गावों में कोई काम ही नहीं हुआ: इस मामले में बिजली कंपनी के नवनियुक्त अधीक्षण यंत्री (ग्रामीण) ओम द्विवेदी ने कहा कि वे स्थिति का सर्वे करवाकर जल्द समाधान निकालेंगे। सिंगरौली में ऐसे 12 से अधिक गांव हैं, जहां विद्युत कंपनी ने अभी तक कोई कार्य नहीं किया है।

दुर्घटनाओं को रोकने निराश्रित पशुओं के गले में रेडियम रिफ्लेक्टर लगवाए जा रहे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा निराश्रित पशुओं की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं। निराश्रित पशुओं से होने वाले जन हानि एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निकाय क्षेत्र में रात में रोड में घूमने वाले निराश्रित पशुओं के गले में रेडियम रिफ्लेक्टर लगवाया जा रहा है जिससे वाहन चालकों को पशु दूर से ही दिखें और किसी भी संभावित दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

जिले में प्रोजेक्ट नन्हा सा दिल की हुई कार्ययोजना बैठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे के निर्देशन में बुधवार को सत्य साइ हृदय हॉस्पिटल रायपुर के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर और जिला चिकित्सालय के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ आशीष भारती, डीईआईसी मैनेजर पुष्पेंद्र शुक्ला और समस्त आरबीएसके टीम की कार्य योजना बैठक ष्नन्हा सा दिलष् प्रोजेक्ट के लिए आयोजित की गई।

बैठक में सभी ब्लॉक के आरबीएसके टीम को बुलाया गया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत हर गांव में घर-घर बच्चों की तलाश की जाएगी और क्लस्टर लेवल पर शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लगभग 50 हजार बच्चों को स्क्रीनिंग करने का लक्ष्य रखा गया है। यह कार्यक्रम 5 अक्टूबर से दिसंबर तक लगातार सीधी जिले में चलेगा, जिसमें सभी आरबीएसके टीम और अन्य फील्ड लेवल के कर्मचारी सहयोग करेंगे।

कलस्टर लेवल पर शिविर के लिए जिला शिक्षा अधिकारी और महिला बाल विकास विभाग से मिलकर कार्य योजना तैयार की गई है। इस कार्य योजना में सारी मशीनरी और जांच उपकरण सत्य साइ हॉस्पिटल रायपुर द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। यह कार्यक्रम बच्चों के स्वास्थ्य की जांच और स्क्रीनिंग के लिए महत्वपूर्ण है।

अजब गजब है मध्यप्रदेश, रातोंरात चोरी हुआ त्योंथर का तालाब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के त्योंथर तहसील अंतर्गत पूर्वा मनीराम पंचायत और अमिलिया ग्राम पंचायत का है। जहा से एक अनोखा मामला सामने आया है जहां पर किसी सोने के आभूषण,जेवरात या पैसे की चोरी नहीं बल्कि लोगों ने चाकघाट थाने में तालाबों की चोरी की शिकायत की है। ग्रामीणों का कहना है कि अमृत सरोवर सहित इलाके के कई तालाब जिनका निर्माण लाखों रुपए की लागत से किया गया जो रातों रात चोरी हो गए हैं। उधर इस पूरे मामले को लेकर इलाके ग्रामीण गांव में मुनादी भी करवा रहे हैं। और तालाब ढूंढने वालों के लिए उचित ईनाम की घोषणा कर रहे हैं। सबसे पहले ग्रामीणों ने इसकी शिकायत गांव के ही लोगों से की, फिर सभी ग्रामीणों ने इस पर विचार मंथन करने के बाद थाने पहुंचे और थाने पहुंचकर शिकायती आवेदन दिया। सिलसिले बार तरीके से थाने के बाद जनपद और जनपद के बाद मामला कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचा है। ग्रामीणों का दावा है कि ये तालाब रातोंरात चोरी हो गए। हालांकि अभी तक थाने में भी लोग गहनें, बाइक या किसी सामग्री की शिकायत लेकर पहुंचते थे। लेकिन इस अनोखी चोरी पर पुलिस भी हैरान है। हालांकि पुलिस ने यह स्पष्ट किया है कि ग्रामीणों का आरोप भ्रष्टाचार से संबंधित है उधर अब मामले में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने पूरे मामले की जांच कराकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की बात कही है।

हैरानी की बात यह है कि ग्रामीण इसे

भ्रष्टाचार का मामला बता ही नहीं रहे हैं न ही यह कह रहे हैं कि गवन हुआ है। बल्कि ग्रामीण इसे एक चोरी का मामला बता रहे हैं।

ग्रामीण, मछुआर बाल कुमार ने बताया कि मैं प्रतिदिन इस अमृत सरोवर बांध में मछलियां मारने के लिए आया करता था। लेकिन अब यह तालाब चोरी हो गया। कल सुबह तक इस तालाब में मैंने मछलियां पकड़ी। आज सुबह जब पहुंचकर देखा तो पूरा का पूरा अमृत सरोवर ही गायब था। यही नहीं आसपास के दो और तालाब भी गायब होने की सूचना है।

वही ग्रामीण ललित कुमार ने बताया कि हमारे यहां 24ग्94 लाख की लागत से अमृत सरोवर का निर्माण हुआ था। जिसमें लबालब पानी भरा हुआ था। जिसकी खूबसूरती भी देखते ही बनती थी। पर बड़े ही आश्चर्य की बात है कि हमारे यहां का तालाब रातों रात चोरी हो चुका है। जहां कभी पानी से लबालब अमृत सरोवर बांध हुआ करता था। वहां अब बड़े बड़े झाड़ उगे हुए हैं। अमृत सरोवर का तो कुछ पता नहीं है। अब जो भी व्यक्ति आमरे खाए हुए अमृत सरोवर बांध को खोजेगा उसे उचित ईनाम दिया जाएगा। गांव भर में इसकी मुनादी भी करवाई जा रही है। अखिलेश सिंह ने कहा कि लाखों की लागत से निर्मित अमृत सरोवर बांध का लापता हो जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। ना केवल 24:94 लाख की लागत से निर्मित अमृत सरोवर में झाड़ उगे हुए नजर आ रहे हैं बल्कि पास की पंचायत के अन्य दो तालाब भी गायब हो चुके हैं। आसपास की 8 या 10 पंचायतों में अगर और दिखवा लिया जाए तो चोरी हुए तालाबों की संख्या में और वृद्धि हो जाएगी।

जानकारी के मुताबिक इस अमृत सरोवर बांध का निर्माण 24ग्94 लाख रुपए की लगात से 09 अगस्त 2023 को किया गया था। इसका निर्माण पूर्वा मनीराम के ग्राम कठौली नामक जगह पर किया गया है। जो राजस्व के अभिलेख के मुताबिक भूमिक क्रमांक 117 पर दर्ज है।

संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जेपी यादव द्वारा बुधवार सीधी जिले के भ्रमण के दौरान विभागीय अधिकारी कर्मचारियों तथा छात्रावास अधीक्षकों के साथ बैठक कर विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान श्री यादव द्वारा सहायक आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि कक्षा 9 से 12 तक के अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों का एमपी टास पोर्टल पर शत प्रतिशत प्रोफाइल पंजीयन कराएं, उसके पश्चात आवेदन, सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण छात्रवृत्ति का भुगतान कराएं। विद्यालय वार समीक्षा कर जहां कमी है उसे पूरा कराएं। महाविद्यालय छात्रों की छात्रवृत्ति तथा आवास सहायता योजना मे भी समय पर छात्रवृत्ति प्राप्त हो सके इस हेतु महाविद्यालयों प्राचार्यों की बैठक आयोजित कर कार्य पूर्ण करावें। छात्रावास एवं विद्यालयों का नियमित निरीक्षण समस्याओं का समाधान कर विद्यार्थियों के अध्ययन लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

छात्रावास अधीक्षकों की मुख्यालय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें, अधीक्षक बच्चों के साथ ही खाना खाएं ताकी गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। छात्रावास अधीक्षक अपने छात्रावासों को बेहतर बनाने के लिए आपस मे प्रतिस्पर्धा करें। छात्राओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें, सीसीटीवी कैमरे चालू अवस्था मे रहें। बच्चों को केवल पालक और सगे भाई बहनों के अलावा किसी के साथ घर न भेजें। श्री यादव ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रावासों को बेहतर बनाने के सुझाव दिए।

श्री यादव द्वारा यह भी निर्देश दिए कि आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत सभी कार्यवाही और गतिविधियां समय सीमा में पूर्ण की जावें, इस संबंध में आने वाले प्रत्येक पत्र का अधिकारी स्वयं अध्ययन करें और कार्यवाही सुनिश्चित करें।

गणेश मूर्ति विसर्जन हेतु कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी विसर्जन स्थल पर लगाई गई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गणेश मूर्ति विसर्जन हेतु 06 सितम्बर को तिथि निर्धारित है।अपर जिला दण्डाधिकारी ने आदेश जारी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी विसर्जन स्थल पर लगाई गई है। जारी आदेशानुसार तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील गोपद बनास की ड्यूटी सोन नदी गऊघाट में, तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील बहरी की ड्यूटी सोन नदी जोगदहा अमिलिया में, तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील चुरहट की ड्यूटी सोन नदी कोल्दहा चुरहट में, तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील रामपुर नैकिन की ड्यूटी सोन नदी भंवर सेन रामपुर नैकिन में, तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील मझौली की ड्यूटी बनास नदी सेहड़ा नदी मझौली में तथा तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील कुसमी की ड्यूटी गोपद नदी गोतरा घाट खर्रा घाट में लगाई गई है।

खाद की उपलब्धता और वितरण की नियमित जानकारी दें : मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को खाद वितरण के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद की रैक लगातार प्राप्त हो रही हैं। केवल दो-तीन जिलों में खाद के वितरण में कठिनाई आई है। कलेक्टर खाद वितरण के लिए समुचित प्रबंध करें। जिले में खाद की उपलब्ध मात्रा, वितरण के लिए जारी मात्रा तथा आगामी सात दिनों में प्राप्त होने वाली मात्रा की जानकारी संचार माध्यमों से किसानों को प्रतिदिन दें। प्रत्येक वितरण केन्द्र में टोकन तथा खाद वितरण के लिए ऐसी व्यवस्था बनाएं कि किसान परेशान न हो। जनप्रतिनिधियों, किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को भी खाद की उपलब्धता और वितरण के संबंध में नियमित रूप से जानकारी दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भारी वर्षा और बाढ़ से जहाँ फसलों को हानि

हुई है वहाँ समय पर सर्वे करा लें। किसानों को यथाशीघ्र राहत राशि का वितरण करें। आगामी चार दिनों में भी प्रदेश के कई जिलों में भारी वर्षा की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए राहत और बचाव के उचित प्रबंध करें। नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को अभी से जागरूक करें। हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर का उपयोग अनिवार्य करें। सुपर सीडर और अन्य कृषि यंत्रों के माध्यम से नरवाई को मिट्टी में मिलाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें। नरवाई जलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन संभाग के 11 जिलों में समर्थन मूल्य पर कोदो और कुटकी का उपार्जन किया जाएगा। इसके लिए किसानों का पंजीयन 22 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा। कोदो-कुटकी की फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित करके उपार्जन के लिए पंजीयन कराएं। उल्लेखनीय है कि उक्त 11 जिलों में सीधी जिला भी सम्मिलित है। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखंड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी, उपसंचालक कृषि राजेश सिंह चौहान तथा अन्य अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शामिल हुए।

ईओडब्ल्यू एवं जीएसटी विभाग की संयुक्त कार्यवाही में सिंगरौली सहित पूरे प्रदेश में 16 स्थानों में की गई छापेमारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जीएसटी अपवंचन की सूचना पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ एवं जीएसटी विभाग की संयुक्त कार्यवाही में 02 सितम्बर को सिंगरौली जिले में व्यापक स्तर पर छापेमारी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही तारतम्य में सिंगरौली एवं प्रदेश के एक दर्जन अन्य जिलों में छापेमारी कार्यवाही की जा रही है। सूचना प्राप्त हुई थी कि कर सलाहकार अनिल कुमार शाह बैढ़न जिला सिंगरौली के द्वारा अनेक फर्मों से बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट लेकर स्थानीय फर्मों को उपलब्ध कराई गई। जिसके एवज में आर्थिक लाभ कमीशन अनिल कुमार शाह के द्वारा प्राप्त किया गया। फर्मों द्वारा बिना माल अथवा सेवाओं के वास्तविक प्राप्ति के आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) प्राप्त की जाकर लगभग 20 करोड़ की राजस्व क्षति शासन को पहुंचायी गई है। जांच दल द्वारा जप्त किये गये दस्तावेजों एवं डिजिटल डाटा का परीक्षण किया जा रहा है। जांच कार्यवाही पूर्ण होने के उपरांत ही कर अपवंचन की वास्तविक राशि की गणना की जा सकेगी।

संयुक्त टीम द्वारा लगातार विभिन्न फर्मों एवं संबंधित व्यक्तियों से पूछतांछ की जा रही है। प्रारंभिक स्तर पर कई संदिग्ध लेन-देन एवं फर्जी बिलिंग किये जाने संबंधी दस्तावेज प्राप्त हुए जिनका परीक्षण किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई रीवा डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर, असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी शदीप खरे के नेतृत्व में निरीक्षक हरीश त्रिपाठी, उप निरीक्षक पवन राज, उप निरीक्षक अभिषेक पाण्डेय, प्रआर सत्य नारायण मिश्रा, प्र0आर0 घनश्याम त्रिपाठी, आर. संतोष मिश्रा, आर. अमित दुबे एवं सायबर सेल मुख्यालय भोपाल से प्र.आर. सुनील कुमार मिश्रा, प्र.आर. राकेश यादव एवं जीएसटी के अधिकारीगण द्वारा की जा रही है।

हिमाचल में राष्ट्रीय आपदा

संपादकीय

बादलों ने इस बार ऊपर से जख्म भेजे हैं, खुद को पौंछते जमीन रोने लगी है। पूरे हिमाचल का क्रंदन अब हर किसी के आंसुओं में भरा, तो तफ्तीश हमारे वजूद की होने लगी। मणिमहेश में इस बार अकेले डल ने राधाष्टमी में नौण किया होगा, तो तड़ीपार हम हुए या हमारी आस्था कहीं घायल हो गई। घायल तो भरमौर से चंबा का पूरा रास्ता भी हुआ, लेकिन किसने सुना। एक अकेले पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने सुना तो अपील मजबूत हुई कि इस बार राष्ट्रीय आपदा की तरह हिमाचल को देखा जाए। विधानसभा सदन के भीतर राष्ट्रीय आपदा घोषित होने का सफर हिमाचल के जर्रे-जर्रे में गूंजा। वो हमीरपुर के धंसते चबूतरा गांव में सुना जा रहा है कि पूरे हिमाचल में राष्ट्रीय आपदा आ गई है। वहां धंसते दर्जन भर घरों में देखा जाए, तो हर नींव पर राष्ट्रीय आपदा का विध्वंस खड़ा है। मौसम विभाग के अनुमानों की अर्थियां निकल गईं और निकल गए विकास के घोड़े। नितिन गडकरी के भूतल परिवहन मंत्रालय से ही केंद्र सरकार पूछ ले तो हर फोरलेन पर राष्ट्रीय आपदा का भोकाल खड़ा है। हिमालय की नदियों से पूछा जाए कि वे अपनी सोहबत, अपनी रफ्तार और अपनी मंजिल क्यों भूल गईं। देश को भाखड़ा, पंडोह व पौंग बांध की क्षमता से बाहर भागते पानी को देखकर अंदाजा हो जाना चाहिए कि वहां आपदा किस कद्र अनियंत्रित व विकराल है। वहां सूचनाएं व साहस एक साथ मर रहे हैं, वह प्रकृति का रोष और प्रकृति का आक्रोश है। आश्चर्य यह कि धार्मिक यात्राएं रुक गईं, लोग श्रद्धा के दामन में आकर विचलित हुए। सूने रह गए इस बार चंबा के लंगर, आधे रास्ते से लौट गई संगत। मणिमहेश यात्रा विकराल यादों के सन्नाटे में सो गई, तो कई प्रश्न उठेंगे, कई पूछे जाएंगे। क्या हम वाकई तैयार हैं या भीड़ में पर्यटन को नहीं समझ रहे। हिमाचल की चोटियां चढ़ जाना पर्यटन नहीं और न ही धार्मिक आस्था का बाजार खोल देना हमारी मंजिल होनी चाहिए। चंबा में प्रकृति के ताबूत क्यों बने। क्यों सदियों की यात्रा परंपरा बाधित हुई या गायब मुहानों से घर लौटना मुश्किल हुआ। आपात स्थिति में हिमाचल को राहत से जोड़ना इतना आसान नहीं कि सब कुछ शिमला के सहारे संभव हो जाए। इस बार सोशल मीडिया के अलग-अलग पक्ष देखे गए। कहीं सदमे, तो कहीं कुछ सकारात्मक रिपोर्टिंग के पल भी देखे गए। आपदा में मणिमहेश यात्रा ने बता दिया कि अब रूटीन में अपने आप नहीं होंगे आयोजन। ऐसी यात्राओं की मंत्रणा विभागीय या प्रशासनिक स्तर से कहीं ऊपर स्वयं मुख्यमंत्री का दखल चाहती है। हम स्थायी व्यवस्था की मांग में एक अलग से मेला विकास प्राधिकरण की मांग करते रहे हैं। भटके और अटके यात्रियों की गवाह बनी हमारी गलियां बता रही हैं कि हमारा प्रबंधन अभी गंभीर नहीं। यह एक ऐसा धार्मिक ट्रैकिंग अभियान है जो हर कदम पर सुरक्षा और एहतियात के साथ ही आगे बढ़ने की अनुमति देने की मांग करता है। पिछले वर्षों से यात्रा रोमांच में बदलती रही है और यात्री वैयक्तिक उन्माद से इसे भी मनोरंजन स्थल मानने लगे थे। मणिमहेश को चार दिन की चांदनी समझने वालों ने धर्म के नाम पर जिस सामान को सुविधा के लिए वहां पहुंचाया, वही कचरा और आपत्तिजनक सामग्री अब शिकायत कर रही है। अंततः पर्यटन का यह स्वरूप पहाड़ों को मंजूर नहीं। पर्यटन विकास से ज्यादा अब पर्यटक सुरक्षा पर हिमाचल को इंतजाम कर लेने चाहिए। हम पर्यटकों की तादाद या भीड़ में पर्यटन की खुशहाली खोजने के बजाय इसे सीमित व सुरक्षित पद्धति में बेशकीमती बनाएं।

मंदारगिरी पर्वत व महावीर का शांति संदेश का स्वर्णिम अवसर

विनोद कुमार सिंह,स्वतंत्र पत्रकार

धन्य -धन्य है वह धरा,जहाँ अनगिनत संत-महापुरुष,ऋषि-मुनि और स्वयं भगवान के अवतार राम, कृष्ण,कबीर, तुलसी,नानक,बुद्ध और महावीर अवतरित होकर संपूर्ण सृष्टि और मानवता के कल्याण हेतु अमूल्य संदेश देते आए हैं।आज इसी कारण भारत को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है।यहाँ हिंदू, मुस्लिम,सिख,ईसाई आदि सभी धर्मों के लोग भाईचारे के साथ शताब्दियों से एक साथ रहते आए हैं।इन्हीं संत परंपराओं में हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति,मैत्री और मानवता का उपदेश दिया।उन्होंने ÷अहिंसा परमो धर्म÷ का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है।विगत दिनों मुझे रेलवे बोर्ड के दिलीप कुमार,ई.आई.डी.पी. के कुशल नेतृत्व में नेशनल मीडिया टीम के सदस्य के रूप में तीन दिवसीय यात्रा पर आईटी नगर,बेंगलुरु जाने का स्वर्णिम अवसर मिला।संयोग से यह यात्रा सावन पूर्णिमा,रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आरंभ हुई।बारिश के बीच हम दिल्ली एयरपोर्ट पहुँचे और हवाई मार्ग से बेंगलुरु पहुँचे तो शाम हो चुकी थी।वहाँ रेलवे के स्थानीय पीआर टीम ने हमारा हार्दिक स्वागत किया और कारों के काफिले में हमें गंतव्य तक पहुँचाया।रास्ते में हमने दक्षिण भारतीय व्यंजनों और स्पेशल कॉफी का आनंद लिया।अगले दिन के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए जल्दी विश्राम किया।अगली सुबह प्रधानमंत्री द्वारा तीन वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन का मीडिया कवरेज किया।थकान के बावजूद हमारे टीम कुशल व कुशाग्र कप्तान दिलीप सर ने मुस्कुराते हुए कहा - ÷आप सभी अभी से थक गए? अभी तो हमें दर्शनीय स्थलों का आनंद लेना है।÷ हम सभी तैयार हो गए और कारवाँ एक रमणीय स्थल की ओर बढ़ा।

रास्ते में हमने सुंदर मंदिरों,प्राचीन शिल्पकृतियों और जीवंत कला कतियों की आकृति को पत्थरों में देखा।वहाँ से हम मंदारगिरी पर्वत की ओर बढ़े।रास्ते में मैंने दिलीप सर से पूछा- ÷हमारे ऋषि-मुनि,संत और देवी-देवता हमेशा कठिन पर्वतों और कंदराओं को अपनी तपोस्थली क्यों बनाते थे?÷ सर मुस्कुराए और बोले – ÷ताकि हम जैसे लोग उनकी साधना में व्यवधान न डालें।जब हम कठिनाई सहकर ऐसे स्थानों तक पहुँचते हैं,तभी हम उनके आशीर्वाद और दिव्यता का सही अनुभव कर पाते हैं।÷

मंदारगिरी पर्वत पर पहुँचकर हमने पिंची आकार के 81 फुट ऊँचे गुरु मंदिर का दर्शन किया।यह मंदिर दिगंबर जैन तपस्वी श्री शांतिसागर जी महाराज को समर्पित है।पास ही चंद्रनाथ तीर्थंकर की भव्य प्रतिमा है, जो बाहुबली जैसी प्रतीत होती है।वहाँ हमने एक अद्भुत दृश्य देखा – गाय और शेरनी एक घाट पर जल पी रहे थे,गाय का दूध शेरनी का शावक पी रहा था वही शेरनी का दूध गाय का बछड़ा।यह दृश्य भगवान महावीर के अहिंसाऔर सह- अस्तित्व के संदेश का जीवंत प्रमाण प्रतीत हो रहा था।पर्वत की चोटी तक पहुँचने के लिए लगभग 460 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं।शिखर पर चार प्राचीन जैन मंदिर हैं,जिनमें से दो चंद्रनाथ और दो पार्श्वनाथ को समर्पित हैं।वहाँ की स्वच्छता,शांति और सुंदरता मन को मोह लेने वाली है।मंदिर परिसर के पीछे एक सुरम्य झील है,जो इस स्थल की आध्यात्मिकता को और भी गहरा कर देती है।हल्की फुहारें,पहाड़ी की मनोहारी,हरियाली और वातावरण में व्याप्त शांति-यह सब मिलकर ऐसा अनुभव कराते हैं मानो भगवान महावीर का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा हो।यात्रा के अंत में हमने स्थानीय रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और वापस बेंगलुरु लौट आए।हमारे लिए यह यात्रा केवल एक आध्यात्मिक अनुभव नहीं,बल्कि जीवन के मूल्यों,शांति, सह-अस्तित्व और परिश्रम के महत्व की गहरी सीख भी दे गई।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

हरदीप एस. पुरी

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक ÷मृत अर्थव्यवस्था÷ कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच - तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है। जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है- सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है – सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे। विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह ÷मृत अर्थव्यवस्था÷ की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा, क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो) क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज़्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक ÷लौंड्रीमैट÷ बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं। मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है। यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में उछाल आने पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए निर्णायक रूप से कदम उठाए। तेल से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान को सहन किया। सरकार ने केन्द्रीय और राज्य के करों में कटौती की और निर्यात से जुड़े नियमों ने यह अनिवार्य किया कि विदेशों में पेट्रोल और डीजल बेचने वाले रिफाइनर को घरेलू बाजार में कम से कम 50 प्रतिशत पेट्रोल और 30 प्रतिशत डीजल बेचना होगा।

इन उपायों ने, काफी राजकोषीय लागत पर, यह सुनिश्चित किया कि एक भी खुदरा दुकान खाली न रहे और परिणामस्वरूप भारतीय घरों के लिए कीमतें स्थिर रहीं। बड़ा सच यह है कि वैश्विक तेल का लगभग 10 प्रातशत आपूर्ति करने वाले दुनिया के इस दूसरे सबसे बड़े उत्पादक का कोई विकल्प ही नहीं है। जो लोग उंगली उठा रहे हैं, वे इस तथ्य की अनदेखी करते हैं। वसुधैव कुटुम्बकम के अपने सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप भारत द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के विनाशकारी झटके को रोका गया।

यह वही %मेड इन इंडिया% है जो विश्व दृष्टिकोण के लिए भारत में आकार ले रही नई औद्योगिक क्रांति को आकार देता है। इस औद्योगिक क्रांति में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और विशेष रसायन शामिल हैं - जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई) और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स के सहारे संचालित हैं। सेमीकंडक्टर के उत्पादन में तेजी अब एक नए स्तर पर पहुंच रही है - जो नीतिगत गंभीरता और क्रियान्वयन का प्रमाण है। मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है और प्रधानमंत्री का जापान में एक सेमीकंडक्टर उत्पादन केन्द्र का हालिया दौरा और जापान की निवेश संबंधी नवीनीकृत प्रतिबद्धताएं एक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित एक साझा रोडमैप को रेखांकित करती हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था इन लाभों को कई गुना बढ़ा देती है। भारत वास्तविक समय में भुगतान के मामले में दुनिया भर में अग्रणी है। यूपीआई की सर्वव्यापकता छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाती है और हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम नवाचार को सेवाओं एवं समाधानों के निर्यात में बदल रहा है। जब डिजिटल तेजी वास्तविक बुनियादी ढांचे के साथ मिलती है, तो प्रभाव बढ़ता है और परिणाम स्वरूप कम टकराव, सुव्यवस्थित और निवेश एवं उपभोग का एक बेहतर चक्र सुनिश्चित होता है। आगे का रास्ता आशाजनक है। स्वतंत्र अनुमानों (ईवाई) के अनुसार, 2038 तक भारत पीपीपी के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद 34 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा। यह प्रगति सतत सुधारों, मानव पूंजी और प्रत्येक उद्यम व परिवार के लिए प्रचुर, स्वच्छ एवं विश्वसनीय ऊर्जा पर निर्भर है।

एक महान सभ्यता की परीक्षा उसके कठिन क्षणों में होती है। अतीत में जब भी भारत की क्षमता पर संदेह किया गया, इस देश ने हरित क्रांतियों, आईटी क्रांतियों और शिक्षा व उद्यम के जरिए लाखों लोगों के गौरवपूर्ण उत्थान के साथ उसका जवाब दिया। आज का समय भी इससे कुछ अलग नहीं है। हम अपने दृष्टिकोण पर टिके रहेंगे, अपने सुधारों को निरंतर जारी रखेंगे और अपने विकास को तीव्र, लोकतांत्रिक एवं समावेशी बनाए रखेंगे ताकि लाभ सबसे वंचित लोगों तक पहुंच सके। आलोचकों के लिए, हमारी उपलब्धियां ही हमारा जवाब होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित भारत महज एक आकांक्षा ही नहीं, बल्कि उपलब्धि का एक सार है और विकास के ये आंकड़े उस व्यापक कहानी का ताजा अध्याय मात्र हैं।

क्या नफरत की राजनीति भारतीयों के लिए बन रहा खतरा

मौजूदा लोकतांत्रिक स्वरूप में आने तक दुनिया ने वैचारिक पूर्वाग्रहों के कई दुखद दौर देखे हैं। नस्लीय दुराग्रहों पर आधारित नाजीवाद का वक्त उनमें से एक था और उससे पार पाने के लिए बड़ी लड़ाई लड़ी गई, कुर्बानियां दी गईं। इसके बाद आधुनिक विश्व में अगर किसी लोकतांत्रिक ढांचे वाले देश में ऐसी विचारधारा जड़ पकड़ती है और उसके निशाने पर कुछ खास समुदाय आते हैं, तो यह बेहद अफसोस और चिंता की बात है।

आस्ट्रेलिया में पनपा नव-नाजियों का समूहः जिन प्रवासियों ने आस्ट्रेलिया के विकास में योगदान दिया, सांस्कृतिक पहचान बनाई, आज उन्हीं को देश के लिए खतरा बता कर कई शहरों में आव्रजन विरोधी रैलियां निकाली जा रही हैं। इनमें खासतौर से आस्ट्रेलियाई-भारतीयों को निशाने पर लिया गया है। इस दौरान जिस तरह की सामग्री बांटी गई, उनमें नस्लवादी विचार तो थे ही, साथ ही इसकी जांच में इससे नव-नाजी समूहों के संबंध का भी पता चला है। हैरानी की बात है कि आधुनिक विश्व में जहां नाजीवाद की छाया से भी दूर रहना जरूरी माना जाता है, वहां कुछ लोग इसके आकर्षण में फंसे दिखते हैं। आस्ट्रेलिया में पनपा नव-नाजियों का समूह छोटा अवश्य है, लेकिन इसका विस्तार इस देश की सामाजिक समरसता को भारी नुकसान पहुंचा सकता है।

गनीमत यह है कि आस्ट्रेलिया की सरकार ने इस तरह के दुराग्रहों को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है। मगर पिछले दिनों नफरत पर आधारित कुछ घटनाओं को गंभीरता से लेना होगा। ऐसे माहौल में भारतीयों की सुरक्षा और सहजता से जीने के अधिकार का मसला सबसे अहम है। भारत सरकार को इस मुद्दे पर आस्ट्रेलिया से संवाद बनाए रखना चाहिए, क्योंकि वहां फिलहाल भारतीय मूल के साढ़े आठ लाख लोग रह रहे हैं। आस्ट्रेलिया ने स्वयं आप्रवासन को समायोजित किया है। इससे न केवल उसके विकास की रफ्तार बढ़ी, बल्कि दुनिया में उसकी बहु-सांस्कृतिक छवि भी बनी है। आस्ट्रेलिया के सत्तापक्ष से लेकर विपक्ष ने भी नव-नाजियों के रुख को शर्मनाक बताया है और स्पष्ट कर दिया है कि किसी तरह का नस्लवाद सहन नहीं किया जाएगा। उम्मीद है कि आस्ट्रेलिया सरकार की ओर से नव-नाजियों के उभार को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे और भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

डा. राधाकृष्णन : शिक्षा, दर्शन, राष्ट्र निर्माण के प्रतीक

शिक्षक दिवस विशेषः

शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण व समर्पण के चलते ही उनका जन्म दिवस राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाना, शिक्षा जगत में उनके कद और काबिलियत को बयां करता है। उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरूतनी नामक ग्राम में हुआ, जो चेन्नई से लगभग 64 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, तथा जिसे धार्मिक दृष्टि से पवित्र माना जाता है।

डा. सतपाल

डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद और महान दार्शनिक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा व राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण व समर्पण के चलते ही उनका जन्म दिवस राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाना, शिक्षा जगत में उनके कद और काबिलियत को बयां करता है। उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरूतनी नामक ग्राम में हुआ, जो चेन्नई से लगभग 64 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, तथा जिसे धार्मिक दृष्टि से पवित्र माना जाता है। उनके पूर्वज मूलतः सर्वपल्ली नामक ग्राम के निवासी थे, इसी कारण परिवार ने 'सर्वपल्ली' उपनाम धारण किया था। राधाकृष्णन एक साधारण, लेकिन विद्वान ब्राह्मण परिवार में पैदा हुए। उनके पिता सर्वपल्ली वीरास्वामी राजस्व विभाग में कार्यरत थे और माता सीताम्मा थी। परिवार बड़ा होने के कारण आर्थिक स्थिति सामान्य थी। छह संतानें थीं, जिनमें राधाकृष्णन दूसरे स्थान पर थे। बचपन आर्थिक कठिनाइयों में बीता, फिर भी उनकी मेधा और जिज्ञासा ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। राधाकृष्णन का बाल्यकाल तिरूतनी और तिरुपति जैसे धार्मिक वातावरण में बीता। उनके पिता धार्मिक प्रवृत्ति के थे, परंतु आधुनिक शिक्षा के महत्व को समझते हुए उन्होंने पुत्र को 1896 में तिरुपति के लुथर्न मिशन स्कूल में पढने भेजा। इसके बाद उन्होंने वेल्लूर तथा मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की। इस दौरान वे अत्यंत मेधावी रहे और छात्रवृत्तियां प्राप्त कीं। 1902 में उन्होंने मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की तथा 1904 में कला संकाय परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त की। इसके बाद दर्शनशास्त्र विषय में एमए की डिग्री पूर्ण की। उन्होंने अपनी पढ़ाई केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखी, इसलिए उन्होंने बाइबिल सहित स्वामी विवेकानंद और वीर सावरकर के विचारों का गहन अध्ययन किया।

क्योंकि क्रिश्चियन संस्थानों में पढ़ाई के दौरान उन्हें पश्चिमी मूल्यों की जानकारी मिली, लेकिन वहीं से उन्हें हिंदू संस्कृति और भारतीय दर्शन की गहराई को समझने की प्रेरणा भी मिली। राधाकृष्णन ने तुलनात्मक दृष्टि से भारतीय और पाश्चात्य दर्शन का अध्ययन करने का बीड़ा उठाया। मिशनरियों द्वारा हिंदू धर्म की आलोचना ने उन्हें चुनौती दी और उन्होंने भारतीय संस्कृति का गहरा अध्ययन प्रारंभ किया। अंततः उन्होंने पाया कि भारतीय अध्यात्म अत्यंत समृद्ध है और मानव जीवन को सत्य, धर्म और ज्ञान से जोड़ता है। उनका विश्वास था कि जीवन क्षणभंगुर है, मृत्यु अटल सत्य है और सच्चा ज्ञान वही है जो अज्ञान को दूर करे। वे सादगी, संतोष और समभावपूर्ण जीवन को श्रेष्ठ मानते थे। उनके अनुसार भारतीय संस्कृति का सार यही है कि सभी धर्मों का आदर किया जाए और समता का भाव रखा जाए। डा. राधाकृष्णन ने वर्ष 1909 में मात्र 21 वर्ष की आयु में मद्रास प्रेसिडेंसी कॉलेज में कनिष्ठ व्याख्याता के रूप में अध्यापन शुरू किया था। उनके गहन ज्ञान और स्पष्ट व्याख्यान शैली ने सबको प्रभावित किया। वे विद्यार्थियों से मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखते थे। घर पर आने वाले छात्रों का स्वागत स्वयं करते, चाय परोसते और उन्हें मित्र की तरह विदा करते। उनके विद्यार्थियों का उनसे गहरा लगाव था। वर्ष 1912 में उनके व्याख्यानों का संग्रह 'मनोविज्ञान के आवश्यक तत्व' नाम से प्रकाशित हुआ। यह उनकी गहन विद्वत्ता और स्मरणशक्ति का प्रमाण था।

किसानों पर लाठी चार्ज के विरोध में एसकेएम ने घेरा कलेक्ट्रेट आर पार की लड़ाई का ऐलान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। करहिया मंडी रीवा में खाद की लाइन में लगे किसानों पर जिला प्रशासन की उपस्थिति में पुलिस ने बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज किया जिसमें कई किसान घायल हुए और खाद का संकट अभी भी बरकरार है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता शिव सिंह ने बताया कि लाठी चार्ज के विरोध में एसकेएम के नेता एवं किसान कलेक्ट्रेट परिसर में धरना देकर दोषी जिले एवं पुलिस के अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुए सरकार एवं डिप्टी सीएम पर किसानों के ऊपर दमन का आरोप लगाते हुए सीधी लड़ाई लड़ने का ऐलान किया साथ ही कलेक्टर के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया । दौरान धरना ज्ञापन मोर्चे के नेता शिव सिंह रामजीत सिंह किसान सुब्रतमणि जिपंस लालमणि त्रिपाठी इंद्रजीत सिंह शंखू लालमणि पांडे विश्वनाथ चोटीवाला सोभनाथ कुशवाहा उमेश पटेल मानसिंह अशोक चतुर्वेदी संतकुमार पटेल संजय निगम अमित सोहगौरा पूर्व बीकेयू अध्यक्ष अभिषेक पटेल तेजभान सिंह अनिल सिंह पिंटू प्रदीप बंसल राकेश सिंह मजदूर यूनियन अशोक सिंह हरिहर पटेल घनश्याम सिंह विवेक पटेल मोतीलाल शुक्ला अनिल मिश्रा भूपेंद्र पटेल मयंक सिंह आदि सैकड़ो की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की खाद वितरण की समीक्षा

खाद वितरण की सुचारू व्यवस्था करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा/सतना (निप्र)। कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों में खाद वितरण तथा रोजगार मेले की तैयारियों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर खाद वितरण की सुचारू व्यवस्था करें, जिससे किसानों को बिना किसी कठिनाई के खाद मिल सके। खाद की उपलब्धता, वितरण तथा सात दिनों में आने वाली खाद की रैक का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। जनप्रतिनिधियों तथा किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को खाद वितरण के संबंध में वस्तुस्थिति से लगातार अवगत कराएं। डबल लाक सेंटर के साथ सहकारी समितियों के माध्यम से भी खाद का पर्याप्त वितरण सुनिश्चित करें। जिन केन्द्रों में बड़ी संख्या में किसान पहुंच रहे हैं वहाँ पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात कर व्यवस्थित वितरण कराएं। समितियों तथा डबल लाक से सुबह 7 बजे से खाद का वितरण शुरू करा दें। वितरण केन्द्रों में राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी तैनात रखें। अधिक दाम पर खाद बेचने वालों तथा वितरण में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें।

कमिश्नर ने कहा कि अक्टूबर माह के अंत में रीवा में रोजगार और स्वरोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री जी 50 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करेंगे। सभी जिले निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों तथा निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने वालों की सूची तैयार कर लें। रोजगार मेले की तैयारियों के लिए जिला और विकासखण्ड स्तर पर शिविर लगाएं। विभिन्न योजनाओं के प्रकरण बैंकों में समय पर दर्ज कराकर उन्हें स्वीकृत कराएं। कमिश्नर ने कहा कि ईद-मिलादउन-नवी और अनंत चतुर्दशी में गणेश विसर्जन के लिए आवश्यक प्रबंध कर लें। नवरात्रि, दशहरे और दीवाली त्यौहारों के लिए भी प्रबंध कर लें। नवरात्रि में मैहर तथा दीपावली में चित्रकूट में लाखों श्रद्धालु आते हैं। इनके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं अभी से सुनिश्चित कर लें। शासन के निर्देशों के अनुसार रीवा, सीधी तथा सिंगरौली जिले के कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों का समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए 22 सितम्बर से पंजीयन किया जाएगा। इसके लिए समय पर गिरदावरी करा लें। बाढ़ तथा अन्य प्राकृतिक आपदा से सभी जिलों में राहत राशि का वितरण कर दिया गया है। कलेक्टर सीधी राहत राशि के शेष प्रकरणों में तत्काल वितरण कराएं। राहत राशि वितरण में देरी करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करें।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शामिल कलेक्टर सतना सतीश कुमार एस, प्रभारी कलेक्टर रीवा डॉ सौरभ सोनवड़े, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, कलेक्टर सीधी स्वरोचिष सोमवंशी, कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन तथा कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला ने खाद वितरण एवं रोजगार मेले की तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, उप संचालक रोजगार अनिल दुबे तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज बारिश से कच्चे मकान की दीवार गिरी, मलबे में दबकर 4 भैंसों की मौत, मालिक बोले- 2.5 लाख रुपए का हुआ नुकसान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। थाना क्षेत्र के कुटाई गांव एक कच्चे मकान की दीवार गिर गई। इस हादसे में मलबे में दबकर 4 भैंसों की मौके पर मौत हो गई। घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात की है।

तेज बारिश से दीवार भरभराकर गिरी: घटना अरविंद जीत सिंह के मकान की है। उन्होंने बताया कि रात में भैंसों को मकान में बांधा गया था। तेज बारिश और हवा के कारण मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। इससे ऊपर रखी छत भी गिर गई।

मलबे में दबने से नीचे बंधी सभी भैंसों की मौत हो गई। मृत भैंसों में से 2 भैंस बच्चे देने वाली थीं और 2 सामान्य थीं।

पुलिस ने घटनास्थल का किया निरीक्षण: किसान ने बताया कि हादसे में लगभग 20 कुंतल गेहूं और राई भी नष्ट हो गई। हादसे से कुल 2 लाख 50 हजार रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। सौभाग्य से घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

घटना की सूचना मिलते ही मैहर थाना पुलिस और पशु पालन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

रीवा में कांग्रेस बचाओ पोस्टर से मचा सियासी बवाल, जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस पार्टी की रीवा जिला अध्यक्ष की हालिया नियुक्ति के बाद संगठन के भीतर असंतोष का माहौल गहराता जा रहा है। कार्यकर्ताओं की नाराजगी और खीझ अब खुले तौर पर सामने आने लगी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण बुधवार सुबह रीवा शहर के सिविल लाइन इलाके पर देखने को मिला, जब वहां विवादित पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों ने न केवल कांग्रेस की आंतरिक राजनीति को झकझोर दिया बल्कि स्थानीय स्तर पर एक नई सियासी हलचल भी पैदा कर दी है।

पोस्टर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर लगाई गई है और उस पर मोटे अक्षरों में लिखा गया है - कांग्रेस बचाओ, रायशुमारी चोरी हो गई है। यह वाक्य सीधे तौर पर पार्टी संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। चौराहे पर कुछ देर तक राहगीरों और स्थानीय नागरिकों की नजर इन पोस्टरों पर टिकी रही। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद पोस्टर हटा दिए गए, लेकिन तब तक यह शहर की चर्चा का केंद्र बन चुका था।

भीतरघात की बू: सियासी विश्लेषक मान रहे हैं कि इस घटना के पीछे पार्टी के अंदरूनी असंतोष की भूमिका है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिला अध्यक्ष की नियुक्ति में पारदर्शिता नहीं बरती गई और रायशुमारी को दरकिनार कर कुछ खास नेताओं की पसंद को तरजीह दी गई है। इस असंतोष का परिणाम ही है जो पोस्टर के रूप में सामने आया है।

कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया: कांग्रेस के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, हमने पार्टी के लिए वर्षों तक मेहनत की, लेकिन संगठन में हमारी राय को दरकिनार कर दिया गया।

श्री बिहारी रामलीला समाज का 129वां समारोह हुआ आरंभ मुकुट पूजन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। श्री बिहारी रामलीला समिति द्वारा आयोजित 129वें वार्षिकोत्सव की शुरुआत परंपरागत विधि-विधान के साथ होगी। शाम 7 बजे से श्री बिहारी मंदिर परिसर में मुकुट पूजन का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर समिति अध्यक्ष रविशंकर गौरी ने बताया कि रामलीला समिति सतना की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर है, जो वर्षों से समाज में आस्था, संस्कृति और मर्यादा के आदर्शों का संदेश देती आ रही है। उन्होंने सभी व्यापारी, सामाजिक एवं धार्मिक नागरिकों से आग्रह किया कि आज 4 सितंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं और धार्मिक उत्सव का हिस्सा बनें।

रजरवार हल्का पटवारी नीरज गौतम की हुई पिटाई, मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि शराब के नशें में था शराबी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोटर तहसील में पदस्थ रजरवार हल्का पटवारी नीरज गौतम को सतना विराट नगर में दौडा दौडा कर पिटा गया सुत्रो से मिलीं जानकारी के अनुसार यह पटवारी नीरज गौतम शराब के नशें में धुत था और लोगों से गाली गलौज करता था जिससे लोगों ने की धुनाई पुलिस को दी थी सुचना।

युवती को अगवा कर दिल्ली-भिलाई में किया शोषण, मुख्य आरोपी और 2 नाबालिग साथी गिरफ्तार; एक महीने बाद मिली पीड़िता

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुलिस ने 20 साल की युवती के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में मुख्य आरोपी और उसके दो नाबालिग साथियों को गिरफ्तार किया है। नागौद पुलिस के टीआई अशोक पांडेय के अनुसार, युवती 24 जुलाई को बिना बताए घर से चली गई थी। परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया। साइबर टीम की मदद से पुलिस ने युवती को छत्तीसगढ़ के भिलाई से बरामद किया। पीड़िता ने बताया कि तीन साल पहले उसकी जान-पहचान अतरवेदिया निवासी अभिषेक विश्वकर्मा से हुई थी। 24 जुलाई को आरोपी ने बहन से मिलवाने के बहाने उसे बुलाया।

वाहन में पहले से तीन अन्य लड़के मौजूद थे।

होश आने पर जबलपुर के होटल में थी युवती: आरोपी ने पीड़िता को नशीला पदार्थ पिला दिया। होश आने पर वह जबलपुर के एक होटल में थी। इसके बाद आरोपी उसे भोपाल और दिल्ली ले गया। दिल्ली में एक कमरे में बंद कर उसका शोषण किया। कुछ दिन बाद आरोपी पीड़िता को सतना लाया और अपने दोस्त रावेन्द्र विश्वकर्मा के घर पर रखा। फिर उसे भिलाई ले गया, जहां से पुलिस ने उसे बरामद किया।

आरोपी सहित दो नाबालिग गिरफ्तार: पुलिस ने मुख्य आरोपी अभिषेक विश्वकर्मा और उसके दो नाबालिग साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एक महीने की तलाश के बाद पीड़िता को सकुशल उसके परिवार से मिलाया गया है।

अलग-अलग जगह से पकड़ाए: पीड़िता के बयान पर अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई, जिन्हें मुखबिर की सूचना पर अलग-अलग जगह से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के पश्चात आरोपी अभिषेक विश्वकर्मा को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया, जबकि नाबालिगों को किशोर बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर बाल सुधार गृह रीवा भेजा गया है।

18 जिलों की एंबुलेंस सेवा में गड़बड़ी की आशंका

रिपोर्ट में खुलासा- एक महीने में 12 हजार किमी से ज्यादा चली गाड़िया, जांच टीम गठित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य में 108 डायल एंबुलेंस और जननी एक्सप्रेस के संचालन में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। जुलाई माह की एमआईएस रिपोर्ट में दिखाया गया है कि सतना सहित प्रदेश के 18 जिलों में हर माह एंबुलेंस ने 12 हजार किलोमीटर की दूरी तय की है। रिपोर्ट आने के बाद अब मामले की जांच के लिए टीम का गठन किया गया है। नेशनल हेल्थ मिशन के अपर मिशन संचालक मनोज कुमार ने मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने सभी सीएमएचओ को संबंधित वाहनों की जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही 7 दिन में रिपोर्ट देने को कहा है।

3 सदस्यीय जांच टीम का गठन: सतना के सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी ने 3 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है। टीम में 108 डायल सेवा की नोडल ऑफिसर गीता मिश्रा, विक्रम प्रजापति और पुष्पेंद्र दाहिया को शामिल किया गया है। अस्पताल सूत्रों के बताया कि जांच में कुछ मामलों में अनियमितता पाई गई है।

18 जिलों में गड़बड़ी का मामला: सतना, बैतूल, भिंड, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, रायसेन, राजगढ़, रीवा, सागर, सीहोर, शहडोल, शाजापुर, शिवपुरी, टीकमगढ़, उज्जैन और विदिशा में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। मैहर और सतना जिले में कुल 68 एंबुलेंस चल रही हैं। इनमें 33 एंबुलेंस 108 डायल सेवा की और 35 जननी एक्सप्रेस की हैं। जय अंबे इमरजेंसी सर्विसेस इन एंबुलेंस का संचालन कर रही है।

रोजगार मेले में 13752 हितग्राहियों को किया जाएगा लाभान्वित : प्रभारी कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रीवा संभाग के 50 हजार से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करेंगे। मेले में रीवा जिले के 13 हजार 752 हितग्राहियों को विभिन्न रोजगार और स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े ने कहा है कि मेले में उद्यम क्रांति योजना से 200, मुद्रा योजना से 4000, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से 1000, अनुसूचित जनजाति विभाग की योजनाओं से 171 तथा जिला अन्त्यावसायी सहकारी समिति की योजनाओं से 161 हितग्राही लाभान्वित किए जाएंगे। हथकरघा विभाग 100, पिछड़ावर्ग कल्याण विभाग 100, उद्यानिकी विभाग 500, मछलीपालन विभाग 500, आजीविका मिशन 4000 तथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना से 20 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। रोजगारमूलक योजनाओं में युवा संगम रोजगार मेले से 1000, क्षेत्रीय औद्योगिक विकास निगम द्वारा आद्योगिक केन्द्रों में 500 तथा जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र द्वारा औद्योगिक क्षेत्र के बाहर की इकाईयों में 500 हितग्राहियों को रोजगार का अवसर दिया जाएगा। आईटीआई द्वारा 500 तथा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 500 हितग्राहियों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रभारी कलेक्टर ने कहा है कि सभी संबंधित अधिकारी स्वरोजगार योजनाओं के लक्ष्य से 50 प्रतिशत अधिक प्रकरण 15 सितम्बर तक तैयार करके बैंकों में दर्ज करा दें। प्रकरणों के निराकरण के लिए बैंकों के साथ हर सप्ताह बैठक करें। अग्रणी बैंक प्रबंधक बैंकों में दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण कराएं। लक्ष्य के अनुसार स्वीकृत सभी प्रकरणों में ऋण एवं अनुदान का वितरण रोजगार मेले में किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी युवा संगम रोजगार मेलों में निजी संस्थाओं और कंपनियों के सहयोग से रोजगार के अवसर देने के लिए इन कंपनियों से संपर्क करें। जिला स्तर पर रोजगार मेला लगाकर पात्र युवाओं को लक्ष्य के अनुसार रोजगार के अवसर दें। रोजगार और स्वरोजगार के प्रकरणों के स्वीकृति की प्रतिदिन जानकारी उपलब्ध कराएं।

नगर के विभिन्न जगहों पर की गयी चालानी कारवाही एवं 2 किलो पॉलीथिन जप्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 2 सितम्बर को स्वास्थ्य अधिकारी ए. पी. सिंह के आदेशानुसार नगर निगम की स्वच्छता टीम एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की टीम द्वारा संतोषी माता मंदिर चौराहा, ग़ल्ला मंडी रोड, बिरला रोड पर चालानी कार्यवाही की गयी जिसमे 2 किलो पॉलीथिन जप्त की गयी और पंकज द्विवेदी 500/- रिंकू कोतवानी 500/- टोटल 1000/- का जुर्माना किया गया तथा व्यपारियों को समझाया गया की कचरा यहाँ वहा नहीं फेकते हुए सिर्फ कचरा गाड़ी मे डालें और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करें उक्त कार्यवाही मे वार्ड दरोगा हरभजन सिंह, रामनरेश एवं समस्त स्वास्थ्य टीम के साथ सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से निखिल जाधव, विशाल अग्निहोत्री और विनय डोहर उपस्थित थे।

संभागीय रोजगार मेला के लिए सभी तैयारियां इस माह पूर्ण कर लें : रानी बाटड

कलेक्टर मैहर ने समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि अक्टूबर माह में रीवा में संभागीय स्तर पर रोजगार मेले का आयोजन संभावित है। मैहर जिले में सितम्बर माह में ब्लाक स्तरीय और जिला स्तरीय मेला आयोजित कर संभागीय रोजगार मेले की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लें। बुधवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, धरती आबा उत्कर्ष अभियान, समग्र के-वायसी, जन आकांक्षा पोर्टल पर संधारित टीएल पत्रक एवं अंतरविभागीय समन्वय के बिंदुओं पर समीक्षा की। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम अमरपाटन डॉ. आरती सिंह, रामनगर एसपी मिश्रा, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, आरईएस लाजरूस केरकेट्टा, पीएचई श्वेतांक चौरसिया, माइनिंग आफीसर सतीश मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, सीईओ जनपद एमएल प्रजापति, वेदमणि मिश्रा, अशोक मिश्रा, सीएमओ मैहर सुषमा मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में अगस्त माह की कुल 5705 शिकायतें लंबित है। अभी जिले के 6-7 विभाग ही ए श्रेणी में है। सभी विभाग 15 तारीख के पहले ए श्रेणी में पहुंचने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि कोई भी शिकायत नाट-अटेण्ड नहीं रहनी चाहिए। नाट-अटेण्ड शिकायत का निराकरण हर हालत में संतुष्टिपूर्ण तरीके से करें। पंचायत और ग्रामीण विकास की शिकायतों के निराकरण में संतुष्टिपूर्ण निराकरण की स्थिति अत्यंत खराब है इसे सुधारे। धरती आबा अभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने जिला संयोजक जनजातीय कार्य डॉ. अरूण शुक्ला की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला संयोजक को धरती आबा अभियान की जानकारी तीनों ब्लाक से संकलित कर प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया जाना था। लेकिन इन्होंने अपने स्थान पर कार्यालय के सहायक ग्रेड-3 अजय सोनी को बैठक के लिए भेजा था।

संभागीय रोजगार मेला की तैयारियों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सीईओ जनपद, उद्योग, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपालन, ग्रामीण विकास सहित सभी हितग्राही स्वरोजगार मूलक योजनाओं के विभाग अपनी-अपनी तैयारी पूर्ण कर ले।

सरभंग मुनि आश्रम के समीप निराश्रित गौवंश के संरक्षण हेतु ढाई एकड़ भूमि में बनेगा आशुतोष गौ अभ्यारण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सरभंग मुनि आश्रम समीप पमरिया बाबा आश्रम में आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान द्वारा बैठक का आयोजन हुआ जिसमें ग्राम पंचायत बरहा नौगवां क्षेत्र में घूमने वाले निराश्रित गौवंश के उचित निस्तारीकरण हेतु सरभंग मुनि आश्रम रोड पर आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान व क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों के सहयोग से निराश्रित गौवंश की सेवा संकल्प हेतु ढाई एकड़ निजी भूमि पर आशुतोष गौ अभ्यारण बनाना सुनिश्चित किया गया वहीं बैठक उपरांत वनवासी समरसता भोज आयोजित किया गया इस बैठक में मुख्य रूप से आशुतोष द्विवेदी राज नारायण मिश्रा (राजू भैया) चंद्रकांत पाठक,बसंतलाल पांडेय,राजेंद्र मिश्रा,राकेश द्विवेदी,राजेश दीक्षित,ध्रुव पांडेय,लाली महाराज,अरुण द्विवेदी पूर्व सरपंच बरहा,शोभित त्रिपाठी,ठाकुर प्रसाद मिश्रा अमिरती,श्रवण कुमार सेन,दीपक सेन,राम सजीवन मवासी,लल्लू मवासी(वैध बाबा) छेदीलाल मवासी,राजकुमार मवासी,अशोक कुमार द्विवेदी (लकी महाराज) राजकिशोर द्विवेदी,राम अवधेश यादव,मनोज कोल एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

बेटी बोली- मैं बालिग, परिजन ने बताया 13 साल की; मां ने कहा- उसका ब्रेन-वॉश किया पंजाब से भागकर खंडवा आई, बोन मैरो टेस्ट होगा

खंडवा, एजेंसी। 27 मई को मेरी 13 साल की बेटी घर से भाग गई। वो 3 महीने से खंडवा में थी। एक महिला हमें फोन पर धमकाती थी कि पुलिस के पास गए तो तुम्हारी बेटी को मार डालेंगे। एक दिन कहा कि बेटी को लेने खंडवा आ जाओ। यहां आए तो पता चला कि बेटी पांच दिन से वन स्टॉप सेंटर में है। हमारी फूल सी बच्ची का ब्रेनवॉश कर शोषण किया जा रहा है। उससे मिलने तक नहीं दिया जा रहा है। ये कहना है पंजाब के लुधियाना से आए एक दंपती का। जिनकी बेटी सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद घर से भाग आई है। दंपती फिलहाल खंडवा की एक धर्मशाला में ठहरे हुए हैं। वे अपनी बेटी को घर ले जाने के लिए बाल कल्याण समिति के पास भी पहुंचे थे।

दंपती ने यह भी कहा कि एक शख्स एनजीओ वर्कर बनकर उनके पास आया। लड़की की सुपुर्दगी दिलवाने की बात कहकर कुछ डाक्युमेंट के फोटो ले गया। उससे फोन पर बात की तो कहने लगा कि अपने घर वापस चले जाओ। वरना तुमको पाकिस्तान भेज दूंगा।

उधर, बेटी पहले ही बाल कल्याण समिति से कह चुकी है कि वह बालिग है और माता-पिता के पास नहीं जाना चाहती। वो खुद का करियर बनाना चाहती है। फिलहाल, पूरा प्रकरण बाल कल्याण समिति के पास है। परिजन ने अभी तक पुलिस से शिकायत नहीं की है।

बोली- परिजन टॉर्चर करते हैं : खंडवा बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने बताया- 27 अगस्त को एक लड़की हमारे पास आई। उसने बताया कि मैं पंजाब से आई हूं। रेलवे स्टेशन के बाहर रो रही थी, तभी एक ऑटो वाला यहां छोड़कर चला गया। मैं 27 जून 2025 को 18 साल की हो गई हूं। मेरे माता-पिता टॉर्चर करते हैं इसलिए मैं उनके पास नहीं जाना चाहती। न ही उनसे मिलना चाहती हूं। हमने बच्ची को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया। इसके दो दिन बाद 29 अगस्त को बच्ची के माता-पिता आए। उन्होंने कहा कि बेटी तो 27 मई को घर छोड़कर चली गई थी।

कमेटी ने पुलिस रिपोर्ट मांगी तो कहने लगे कि बच्ची के साथ वाले हमें धमका रहे थे, इस कारण रिपोर्ट नहीं लिखवाई। फिर बच्ची के संबंध में दस्तावेज मांगे तो न आधार कार्ड दिया, न मार्कशीट। जन्म प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी देकर बता रहे हैं कि उसकी उम्र 13 साल है। परिजन से सत्यापित दस्तावेज मांगे हैं ताकि लड़की की असली उम्र पता चले। यदि वो नाबालिग होगी तो हम आगे की कार्रवाई करेंगे।

उम्र पता करने बोन मैरो टेस्ट होगा : प्रवीण शर्मा के अनुसार, लड़की और परिजन अलग-अलग उम्र बता रहे हैं। दोनों की ओर से कोई वैध दस्तावेज भी नहीं दिया गया है इसलिए अब कमेटी ने लड़की की सही उम्र की जांच के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खंडवा को आदेश दिए हैं कि लड़की का बोन मैरो टेस्ट कराया जाए। इस टेस्ट के बाद डॉक्टर्स की एक कमेटी उम्र के निर्धारण संबंधी सर्टिफिकेट देती है। जिस आधार पर कमेटी उचित कार्रवाई करेगी।

बिहार और पंजाब पुलिस को पत्र लिखा : बाल कल्याण समिति को परिजन ने बताया- लड़की पहले बिहार के आरा जिले में उसकी नानी के पास रहती थी। दो महीने पहले वहां से भागकर खरगोन आ गई थी। तब हम उसे खरगोन बाल कल्याण समिति के माध्यम से पंजाब अपने घर ले गए थे। अब बेटी वहां से खंडवा आ गई है। इसी आधार पर बच्ची की मूल पहचान और आवश्यक कार्रवाई के लिए कमेटी ने लुधियाना और आरा जिले के पुलिस अधीक्षक और बाल कल्याण समिति को पत्र लिखा है। ताकि लड़की और उसके परिवार के बारे में सही जानकारी सामने आ सके।

लड़की बोली- करियर बनाना चाहती हूं : शुक्रवार के दिन लड़की बाल कल्याण समिति के पास पहुंची तो घबराई हुई थी। समिति सदस्यों ने उसे मदद का दिलासा दिया।

सागर में ड्यूटी के बाद लापता हुआ गुना का आरक्षक, बाजार निकला रूम पर नहीं लौटा; पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की

सागर, एजेंसी। सागर के गोपालगंज थाना क्षेत्र से पुलिस आरक्षक वनबारी लाल शिवहरे लापता हो गया है। वह मंगलवार को ड्यूटी पूरी कर अपने रूम पर पहुंचा था। इसके बाद कुछ सामान लेने बाजार निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा। देर रात तक जब वह रूम पर नहीं पहुंचा तो साथी आरक्षकों ने तलाश शुरू की, मगर कोई आरक्षक वनबारी शिवहरे 26वीं बटालियन गुना में पदस्थ है। हाल ही में वह अपनी कंपनी के साथ सागर ड्यूटी पर आया था। मंगलवार को उसकी ड्यूटी जेल के पास थी। ड्यूटी पूरी होने के बाद वह रूम पर आया और फिर बाजार जाने की बात कहकर निकल गया। इसके बाद से वह लापता है।

शिकायत पर पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी : काफी समय तक आरक्षक के न लौटने पर साथियों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन नाकाम रहे। बुधवार को कंपनी कमांडर ने पूरे मामले की शिकायत एसपी कार्यालय में की। शिकायत पर गोपालगंज थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर दी है और तलाश तेज कर दी गई है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस : एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि लापता आरक्षक की तलाश की जा रही है। अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

मंदसौर में जिला आबकारी अधिकारी के घर ईडी का छापा यश नगर स्थित आवास पर 5 घंटे सर्चिंग

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर के पूर्व जिला अधिकारी बद्री लाल डांगी के यश नगर स्थित आवास पर बुधवार सुबह ईडी ने छापा मारा है। हाल ही में बद्री लाल डांगी डांगी का तबादला दतिया हुआ था और सोमवार को उन्होंने दतिया जिला आबकारी अधिकारी के रूप में ज्वॉइनिंग ली है। जानकारी के मुताबिक, ईडी के छापे के समय पूर्व जिला आबकारी अधिकारी के घर में कोई मौजूद नहीं था। इंदौर और भोपाल की 2 टीमों ने यहां दबिश दी।

बद्री लाल डांगी

बीएल डांगी मंदसौर में नौकरी के दौरान काफी विवादों में रहे, उनके ऊपर पिपलिया मंडी शराब दुकान से 10 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था, जिसका वीडियो भी सामने आया था।

5 घंटे की सर्चिंग : इसके साथ ही मंदसौर शहर प्रतिबंध के बावजूद शहर से लगातार शराब बिक्री की खबरें भी सामने आती रही ऐसे में उनकी कार्यशैली पर भी सवाल उठे। 22 अगस्त को उनका ट्रांसफर दतिया हो गया था। इसके बाद बुधवार को ईडी ने उनके घर लगभग 5 घंटे सर्चिंग की। टीम सुबह करीब 5 बजे आई और 10 बजे वापस लौटी। हालांकि, इस दौरान ईडी के अधिकारियों ने कोई जानकारी नहीं दी।

खिड़की की जाली काट घर में घुसे चोर, ऊपरी मंजिल पर परिवार के सदस्यों को नहीं चला पता

रतलाम, एजेंसी। रतलाम शहर के हरदेवलाला पीपली क्षेत्र में मंगलवार शाम एक मकान में बड़ी चोरी हो गई। चोर घर के पीछे खाली प्लॉट से घुसे और करीब 15 लाख रुपए के जेवर और नगदी चोरी कर ले गए। वारदात के समय घर की महिलाएं पहली मंजिल पर थीं, नीचे आकर उन्होंने अंदर से बंद कमरा देखकर शंका जताई। चोरी प्यारचंद व्यास के मकान में हुई। घर के पीछे ब्राह्मणों के वास की गली और उससे सटे खाली प्लॉट से चोरों ने प्रवेश किया। उन्होंने लोहे की जाली तोड़ी और कमरे में घुसकर दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। परिवार के लोगों के मुताबिक चोर 85 ग्राम सोने के जेवर, तीन किलो से ज्यादा चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के और 3 लाख रुपए नगद लेकर भाग गए।

महिलाओं ने देखे चोरी के निशान : घर के पुरुष सदस्य बाहर थे। रमेश व्यास दाहोद में थे जबकि छोटे भाई राधेश्याम और उनकी पत्नी जलगांव में थे। घर में रमेश की पत्नी कमलाबाई, मां रुक्मिणीबाई और शीतल मौजूद थीं। शीतल जब शाम 5 बजे नीचे आई तो दादी का कमरा अंदर से बंद मिला। उन्हें लगा भाई विशाल कमरे में हैं, लेकिन कॉल करने पर विशाल ने बताया कि वह बाजार में हैं। दरवाजे की दरार से झांककर देखा तो अलमारी खुली थी और सामान बिखरा पड़ा था।

पुलिस ने शुरू की जांच : सूचना पर सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया और माणक थाना प्रभारी अनुराग यादव मौके पर पहुंचे। पुलिस का कहना है कि चोर खाली प्लॉट से घुसे थे। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल मामला जांच में है।

श्रीकृष्ण, भगवान जगन्नाथ रूप में विराजे विध्नहर्ता, ठाकुर मोहल्ला में 50 साल से लग रही झांकी; गंज बाजार में राम दरबार में दिखे बप्पा

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में भगवान गणेश की आकर्षक झांकियां लगाई गई है। गणेश पंडालों में रोज धार्मिक आयोजन किया जा रहे हैं। गंज बाजार हनुमान मंदिर के पास लगी भगवान गणेश की झांकी में राम दरबार के दर्शन हो रहे हैं। भगवाध्वज गणेश उत्सव समिति 21 साल से झांकी लगा रहा है। इस बार राम दरबार के स्वरूप में भगवान गणेश, राम, लक्ष्मण, माता सीता, शत्रुघ्न, भरत और हनुमान के साथ विराजमान है। प्रतिमा 12 फीट की है।

समिति 50 साल से लगा रही झांकी : साथी वार्ड सात में विघ्नहर्ता श्री गणेश मंडल समिति, ठाकुर मोहल्ला में विराजमान भगवान बड़ी की झांकी में श्री कृष्ण के दर्शन हो रहे हैं। भगवान श्री गणेश कृष्ण के रूप में विराजमान हैं। रुई से चंद्रमा और आसान बनाया गया है। भगवान श्री गणेश के पास रिद्धि सिद्धि भी विराजमान है। समिति 50 साल से इस जगह झांकी लगा रही है।

स्वामी जगन्नाथ रूप में विराजे भगवान गणेश : तालाब रोड पर पूरी में भगवान जगन्नाथ स्वामी के पैटर्न पर प्रतिमा लगाई गई है। इसमें भगवान जगन्नाथ और उनकी बहन सुभद्रा के दर्शन हो रहे हैं। प्रतिमा सद्भावना गणेश उत्सव समिति ने स्थापित की है। अध्यक्ष गोलू चौबे अमन लोधी ने बताया कि प्रतिमा 14 फीट की है। इसमें भगवान गणेश के साथ ऊपर पूरी के स्वामी भगवान जगन्नाथ स्वामी, उनकी बहन सुभद्रा और बलदाऊ भी साथ हैं। उनकी समिति 30 साल से इस स्थान पर झांकी लगा रही है।

अर्जुन नगर में 7 फीट की प्रतिमा: श्री वीर शिवाजी गणेश उत्सव समिति वार्ड 15 अर्जुन नगर में 11 सालों भगवान गणेश की स्थापना समिति कर रही है। भोपाल रोड, कृषि उपज मंडी के सामने साहू परिवार श्री गणेश उत्सव समिति लगातार 40 साल से भगवान गणेश की स्थापना कर रही है। इस साल 7 फीट के भगवान गणेश सिंहासन पर विराजमान हैं। समिति के अध्यक्ष योगेंद्र साहू ने बताया कि 3 सितंबर को महाआरती का आयोजन किया गया है। वहीं दूसरे धार्मिक आयोजन भी समिति आयोजित करेगी।

नर्मदापुरम में किरायेदार के घर से 19 तोला सोना चोरी, मकान मालिक का बेटा सीसीटीवी में कैद; चोरी से पहले अंदर से कुंडी लगाई

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम शहर की तिवारी कॉलोनी में किराएदार के घर में लाखों की चोरी की वारदात हुई है। फरियादी ने मकान मालिक के बेटे पर 19 तोला सोने के जेवर और 1.5 लाख रुपए नगद चोरी का आरोप लगाया है। चोरी की अनुमानित राशि 10 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई। आरोपी को पुलिस ने मंगलवार रात हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

फरियादी भारती सोनी पति सुमित सोनी, गीता मैरिज गार्डन के पास स्थित लक्ष्मणदास आहूजा के मकान में किराए से रहते हैं। भारती ने बताया कि 27 अगस्त को वह और उनके पति अपनी दुकान पर थे। घर खाली था। रात करीब 8ः30 बजे जब वे वापस लौटे तो बेडरूम फैला हुआ और अलमारी टूटी पड़ी थी। उन्होंने तुरंत पति को फोन कर चोरी की जानकारी दी।

सीसीटीवी फुटेज में मकान मालिक का बेटा नजर आया : घर में लगे सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि शाम 6:30 बजे मकान मालिक का बेटा आकाश आहूजा छत से होते हुए किरायेदार के घर में दाखिल हुआ। उसने बाहर वाले गेट की कुंडी लगाई और फिर बेडरूम में जाकर अलमारी तोड़ी। फुटेज में अलमारी तोड़ने की आवाज भी साफ सुनाई दी।

19 तोला सोना और नकदी चोरी : फरियादी ने बताया कि अलमारी में रखे 19 तोला सोने के जेवर और 1.5 लाख रुपए नकद चोरी हुए हैं। जेवरों में शादी के समय मिले 14 तोला सोना शामिल था, जिसमें मंगलसूत्र, अंगूठियां, टॉप्स और गले की चेन थीं। इसके अलावा रक्षा बंधन पर भाई से मिला 50 ग्राम का सोने का सिक्का भी चोरी हो गया। नकदी किटी पार्टी की राशि थी।काउंसलिंग की तो उसने बताया कि वह 27 जून 2025 को बालिग हो गई है। पैरेंट्स से परेशान है। नौंवी के बाद उसकी पढ़ाई छुड़वा दी गई है। वह आगे पढ़ना चाहती है। करियर बनाना चाहती है इसलिए अब घर नहीं जाएगी।

रकम लौटाने से मकान मालिक ने किया इंकार : स्नढ्ढक्र में दर्ज बयान के अनुसार, जब चोरी का शक आकाश पर हुआ तो फरियादी ने मकान मालिक से बात की। पहले उन्होंने इंकार किया, लेकिन सीसीटीवी दिखाने पर बोले कि पुलिस के पास मत जाओ, हम रकम लौटा देंगे। हालांकि तीन दिन तक पैसे और जेवर वापस नहीं किए, जिसके बाद फरियादी दंपत्ति थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई।

वारदात से 5 दिन पहले ही लगाए थे सीसीटीवी : फरियादी के पति सुमित वाधवानी ने बताया कि मकान से पहले भी कुछ सामान गायब हुआ था। इसी कारण 22 अगस्त को सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। कैमरे लगाने के सिर्फ पांचवें दिन ही चोरी की बड़ी वारदात हो गई।

आरोपी हिरासत में, पूछताछ जारी : देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि आरोपी आकाश आहूजा पर चोरी का केस दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज में उसकी मौजूदगी साफ दिखाई दे रही है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

रेप पीड़िता को आरोपी के घर भेजा, दोबारा रेप किया, पन्ना सीडब्ल्यूसी का कारनामा; अध्यक्ष, 5 सदस्य, महिला बाल विकास अधिकारी समेत 10 पर एफआईआर

प्रमोद कुमार सिंह | सुदीप श्रीवास्तव

छतरपुर/पन्ना, एजेंसी। पन्ना में बाल कल्याण समिति ने नाबालिग रेप पीड़िता को आरोपी के घर भेज दिया, जहां उससे दोबारा रेप किया गया। छतरपुर पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष, पांच सदस्य, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक, काउंसलर, केस वर्कर और एक अन्य महिला समेत कुल 10 लोगों पर विभिन्न धाराओं में स्नढ्ढक्रदर्ज की है। हालांकि, अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। महिला बाल विकास अधिकारी से छतरपुर पुलिस पूछताछ कर रही है। लवकुशनगर (छतरपुर) एसडीओपी नवीन दुबे ने बताया कि समिति और अधिकारियों के गलत फैसले से पीड़िता को दोबारा दुष्कर्म का शिकार होना पड़ा। जांच में यह भी सामने आया कि जिला कार्यक्रम अधिकारी और वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारियों ने मामले को दबाने की कोशिश की। गलत निर्णय करने वालों और मामले को छिपाने वालों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

इन दर्ज हुई एफआईआर : आरोपियों में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष भानू जड़िया और सदस्य अंजलि भदौरिया, आशीष बोस, सुदीप श्रीवास्तव व प्रमोद कुमार सिंह पर पॉक्सो एक्ट की धारा 17 (अपराध को बढ़ावा देने पर) लगाई गई है। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक कविता पांडे, काउंसलर प्रियंका सिंह और केस वर्कर शिवानी शर्मा पर पॉक्सो एक्ट की धारा 21 (बाल यौन अपराध में रिपोर्ट नहीं करने पर) दर्ज की गई है।

जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अवधेश सिंह पर पॉक्सो एक्ट धारा 21, स्ष्ट-स्ञ्ज एक्ट धारा 4 और क्चहृस् की धारा 199 व 239 (कानून के विपरीत काम करने पर) लगाई गई हैं। इसके अलावा अंजलि कुशवाहा पर किशोर न्याय अधिनियम की धारा 82 (बच्चों को शारीरिक दंड देने पर) में केस दर्ज हुआ है।

पन्ना पुलिस ने केस छतरपुर पुलिस को दिया : लड़की और आरोपी दोनों अलग-अलग गांव और जाति के हैं। आरोपी लड़की को दिल्ली की ले गया था, जहां गुरुग्राम से उसे पकड़ा गया। पन्ना कोतवाली में मामला दर्ज किया गया और डायरी जुझार नगर थाना भेज दी। छतरपुर पुलिस ने आरोपी को पकड़कर जेल भेज दिया। पन्ना में बाल सुधार गृह नहीं होने के चलते इस मामले की जांच छतरपुर पुलिस कर रही है।

6 पेटी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, सागर में कार से कर रहे थे तस्करी; पुलिस ने अटल सेतु पर घेराबंदी कर पकड़ा

सागर, एजेंसी। सागर के रहली थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कार से 6 पेटी शराब जब्त की है। अटल सेतु पर एसडीओपी की टीम की इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नदी मोहल्ला होते हुए अटल सेतु मार्ग से एक कार में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही एसडीओपी प्रकाश मिश्रा के निर्देशन में पुलिस टीम ने घेराबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए अनुसार कार (एमपी20सीएफ8662) रहली की ओर से आती दिखाई दी। टीम ने कार को रोककर तलाशी ली।

आरोपी रहली के, कार से बरामद हुई स्ट्रॉन्ग व्हिस्की : कार में दो युवक सवार थे। पूछताछ में चालक ने अपना नाम प्रेमनारायण पिता गंगाधर राठौर (34), निवासी पंडलपुर वार्ड, रहली बताया। वहीं, बाजू में बैठे व्यक्ति की पहचान सोमेश पिता सुदामा राठौर (52), निवासी पटना ककरी वार्ड, रहली के रूप में हुई। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 6 पेटी स्ट्रॉन्ग व्हिस्की शराब बरामद हुई।

4.04 लाख रुपए का माल जब्त : एसडीओपी प्रकाश मिश्रा ने बताया कि जब्त कार और शराब की कुल कीमत करीब 4 लाख 4 हजार रुपए है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने लाया गया है और उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब कहां से लाई गई थी और कहां पहुंचाई जानी थी।

सीहोर में 9 सितंबर को लगेगा रोजगार मेला, 700 पदों पर होगी भर्ती; स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप का भी मौका

सीहोर। सीहोर के डॉ. अम्बेडकर शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 9 सितंबर को सुबह 11 बजे रोजगार मेला आयोजित होगा। रोजगार विभाग ने स्थानीय, प्रदेश और अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित किया है। मेले में अलग-अलग कंपनियां करीब 700 पदों पर भर्तियां करेंगी। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र स्वरोजगार योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित करेगा। साथ ही नए आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। शासकीय आईटीआई अप्रेंटिसशिप के लिए युवाओं का चयन करेगा। इच्छुक उम्मीदवार अपने मूल दस्तावेजों के साथ मेले में भाग ले सकते हैं। यह मेला युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

पहले वनडे में इंग्लैंड की करारी हार, 131 रन पर सिमटी पारी, द.अफ्रीका 175 गेंद शेष रहते जीता

लीड्स, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में जोरदार जीत दर्ज की। मेजबान इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए लीड्स के हेडिंग्ले में सिर्फ 131 रन पर सिमट गई और दक्षिण अफ्रीका ने यह लक्ष्य बेहद आसानी से हासिल कर लिया। कप्तान एडेन मार्करम की तूफानी पारी ने मैच को एकतरफा बना दिया। इससे पहले वियान मुल्डर और केशव महाराज की घातक गेंदबाजी ने इंग्लैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था। महाराज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज का शानदार आगाज किया है और 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला मुकाबला चार सितंबर को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा।

इंग्लैंड की पारी- 131 पर ढेर: इंग्लैंड की शुरुआत से ही विकेट गिरते रहे और टीम कभी मैच में टिक नहीं पाई। विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने सबसे ज्यादा 54 रन (48 गेंद, 10 चौके) बनाए। उनके अलावा जो रूट ने 14, जोस बटलर ने 15 और जैकब बेथेल ने 13 रन का योगदान दिया। बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके और पूरी टीम सिर्फ 24.3 ओवर में 131 रन पर सिमट गई। कप्तान हैरी ब्रूक 12 रन, विल जैक्स सात रन और बेन डकेट पांच रन ही बना सके। स्मिथ को डकेट के साथ ओपनिंग भेजा गया था।गेंदबाजी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5.3 ओवर में 22 रन देकर चार विकेट चटकाए। वियान मुल्डर ने तीन विकेट लिए और सिर्फ 33 रन दिए। लुंगी एनगिडी और नांद्रे बर्गर ने भी एक-एक विकेट हासिल किया। इंग्लैंड के बल्लेबाज महाराज की स्पिन और मुल्डर की सटीक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाए।

दक्षिण अफ्रीका की पारी- मार्करम का जलवा: लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने आक्रामक बल्लेबाजी की। कप्तान एडेन मार्करम ने 55 गेंदों में 86 रन ठोक डाले, जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे। उनके साथ विकेटकीपर रेयन रिकेल्टन ने 59 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और पारी संभाली। तेम्बा बावुमा सिर्फ छह रन बना सके, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स खाता नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस ने दो गेंदों में नाबाद छह रन बनाकर रिकल्टन के साथ मैच खत्म कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 20.5 ओवर में 137/3 बनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए।

खास आंकड़े और रिकॉर्ड : यह मुकाबला कई यादगार आंकड़ों का गवाह बना। इंग्लैंड के 131 रन का स्कोर घरेलू सरजमीं पर सबसे कम स्कोरों की सूची में शामिल हो गया। इससे कम स्कोर उन्होंने 2001 में मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया (86 रन), 1975 में लीड्स में ऑस्ट्रेलिया (93 रन) और 2001 में श्रीलंका (99 रन) के खिलाफ बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने लीड्स में इंग्लैंड को सिर्फ 24.3 ओवर में ऑलआउट कर दिया। यह किसी भी टीम को अवे मैच में ढेर करने का उनका सबसे तेज रिकॉर्ड है। इससे पहले 1996 में नैरोबी में उन्होंने केन्या को 25.1 ओवर में, 2011 में मीरपुर में बांग्लादेश को 28 ओवर में और 2022 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड को 28.1 ओवर में ऑलआउट किया था।

यूएस ओपनः पुरुष युगल के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे युकी भांबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई है। वे न्यूज़ीलैंड के साथी माइकल वीनस के साथ मिलकर यूएस ओपन के पुरुष युगल स्पर्धा में क्वार्टरफाइनल दौर में पहुंचे हैं। पुरुष युगल स्पर्धा में 14वीं वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुत्ज़ को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। अब गुरुवार को इस जोड़ी का सामना 11वीं वरीयता प्राप्त क्रोएशिया के निकोला मेक्टिक और अमेरिकी दिग्गज राजीव राम की जोड़ी से होगा। 33 वर्षीय युकी इस सीज़न में ग्रैंड स्लैम टूर्नामिंट्स में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने रॉबर्ट गैलोवे के साथ मिलकर फ्रेंच ओपन और विंबलडन में तीसरे दौर तक जगह बनाई थी। मियामी ओपन 2025 के बाद युकी देश के नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बने थे, जहां उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए रोहन बोपन्ना को पीछे छोड़ा था। युकी वर्तमान में एटीपी डबल्स रैंकिंग में 32वें स्थान पर हैं, जबकि लाइव रैंकिंगमें वे 28वें नंबर पर पहुंच गए हैं। युकी का हालिया प्रदर्शन शानदार रहा है और इसी कड़ी में मार्च 2025 में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपायरिन के साथ मिलकर दुबई टेनिस चैंपियनशिप जीतकर अपना पहला एटीपी 500 खिताब हासिल किया था।

आईओए और आईओसी की साझेदारी बहाल, अब खिलाड़ियों को मिलेगा सीधा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ साझेदारी के दोबारा शुरु होने और ओलंपिक सॉलिडेरिटी कार्यक्रमों की बहाली का स्वागत किया है। यह उपलब्धि भारतीय खेलों में हाल ही में हुए महत्वपूर्ण शासन सुधारों और प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है।

आईओसी ने आईओए अध्यक्ष को भेजे एक पत्र में संघ और भारत सरकार के उठाए गए सकारात्मक कदमों की सराहना की, जिनका उद्देश्य जमीनी स्तर से लेकर एलीट स्तर तक खिलाड़ियों को सहयोग और समर्थन प्रदान करना है। आईओसी ने आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीइओ) के रूप में रघुराम अय्यर की औपचारिक नियुक्ति और राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम (नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट) अपनाने को भारतीय खेल व्यवस्था की नींव मजबूत करने के लिए अहम माना है। ओलंपिक सॉलिडेरिटी कार्यक्रमों की बहाली से भारत के खिलाड़ियों को सीधा लाभ मिलेगा। इस पहल से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, तैयारी और ओलंपिक खेलों सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए प्रत्यक्ष फंडिंग और विकास के अवसर उपलब्ध होंगे। आईओए अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा ने इस घोषणा को भारतीय खेलों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, ÷यह आईओए और भारत सरकार के साझा संकल्प को दर्शाता है कि नई और परिवर्तनकारी खेल नीति के तहत खेल शासन में उच्चतम मानकों को बनाए रखा जाए। आईओसी के साथ यह नई साझेदारी हमारे खिलाड़ियों को उनके ओलंपिक सपनों को साकार करने में बड़ी भूमिका निभाएगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने आश्वासन दिया है कि वह आईओसी के साथ मिलकर भारत में ओलंपिक आंदोलन को और सशक्त बनाने और खिलाड़ियों को सतत समर्थन देने की दिशा में काम करता रहेगा।

जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा नंबर-1 वनडे ऑलराउंडर

दुबई, एजेंसी। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा नंबर-1 वनडे ऑलराउंडर बन गए हैं। बुधवार को जारी ढ्ढष्टष्ट रैंकिंग में रजा ने अफगानी ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई को पीछे छोड़ा। रजा ने करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल की। उनके अब 302 रेटिंग पॉइंट्स हों गए हैं। टीम रैंकिंग की बात की जाए तो भारत वनडे और टी-20 में पहले नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया टेस्ट में नंबर-1 पर है। बैटर्स की वनडे, टेस्ट और टी-20 के टॉप-10 रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बॉलर्स की टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी नंबर-3 पर आ गए हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह पहले नंबर पर बने हुए हैं। टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ऑलराउंडर्स टेस्ट रैंकिंग में रवींद्र जडेजा पहले स्थान पर हैं। वहीं टी-20 में हार्दिक पंड्या टॉप पर बने हुए हैं।

रजा ने दो अफगानी प्लेयर्स को पीछे छोड़ा : रजा अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी (292 अंक) और अजमतुल्लाह उमरजई (296 अंक) को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंचे हैं। नबी तीसरे और उमरजई दूसरे पायदान पर हैं। रजा ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो वनडे मैचों की सीरीज में 92 और 59 रनों की नाबाद पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने एक विकेट भी चटकाया था। 39 साल के रजा बल्लेबाजी रैंकिंग में भी नौ स्थान ऊपर चढ़कर 22वें पर चले गए हैं।

निसांका ने 7 स्थान की छलांग लगाई : जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में दोनों वनडे जीतने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई है। पथुम निसांका (654 अंक) बल्लेबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर 13वें पर पहुंच गए। उन्होंने सीरीज में 122 और 76 रनों की पारी खेली। जनिथ लियानागे 13 स्थान चढ़कर 29वें पर पहुंच गए। गेंदबाजी रैंकिंग में असिथा फर्नांडो को 6 और दिलशान मधुशंका को 8 स्थान ला फायदा मिला है। साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज नंबर-1 वनडे गेंदबाज हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में चार विकेट लेने के बाद 31 रेटिंग अंकों की बढ़त कुल 690 अंक बना ली। भारत के शुभमन गिल नंबर-1 वनडे बल्लेबाज हैं। उनके 784 अंक हैं। मोहम्मद नबी को जहां वनडे रैंकिंग में नुकसान हुआ वहीं अफगान खिलाड़ी टी-करीब पहुंच गया।

मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज़ खान पर डोपिंग के कारण 6 साल का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज़ खान को डोपिंग में पकड़े जाने और 12 महीने के भीतर तीन डोप टेस्ट मिस करने के चलते 6 साल का प्रतिबंध झेलना होगा। पिछले साल परवेज़ ने अमेरिकी कॉलेजिएट एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था, लेकिन इसके तुरंत बाद पंचकूला (हरियाणा) में आयोजित नेशनल इंटर-स्टेट चैम्पियनशिप में उनके सैंपल में प्रतिबंधित दवा एरिथ्रोपोएटिन (ईपीओ) पाई गई। इसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

ईपीओ क्या है: ईपीओ एक ऐसी दवा है जो लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ाती है और एथलीट्स की स्टैमिना बढ़ाने के लिए डोपिंग में इस्तेमाल की जाती है। मेडिकल क्षेत्र में इसका उपयोग कैंसर रोगियों के इलाज में किया जाता है।

परवेज़ ने सैंपल क्कि जांच नहीं करवाई और सैंपल की रिपोर्ट को ही स्वीकार कर लिया। इस अपराध के लिए सामान्य तौर पर 4 साल का प्रतिबंध लगता है। लेकिन इसके अलावा उन्होंने 12 मई, 10 जुलाई और 5 दिसंबर 2023 को तीन डोप टेस्ट भी मिस किए, जो अपने आप में दो साल का बैन लाता है। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) की एंटी-डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल (एडीडीपी) ने 6 अगस्त को दिए फैसले में कहा, ÷खिलाड़ी का सैंपल ईपीओ पॉजिटिव पाया गया है। साथ ही उसने 12 महीने की अवधि में एक और एंटी-डोपिंग नियम का उल्लंघन किया है। इसलिए दोनों उल्लंघनों की सजा मिलाकर प्रतिबंध की अवधि 6 साल तय की जाती है। यह प्रतिबंध 28 अगस्त 2024 से लागू माना जाएगा, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था। इस दौरान 27 जून 2024 के बाद उनके सभी प्रतिस्पर्धी परिणाम रद्द कर दिए जाएंगे और जीते हुए पदक, अंक व पुरस्कार वापस लेने होंगे।

अन्य खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई : एडीडीपी की ताज़ा सूची में अन्य खिलाड़ियों को भी डोपिंग के चलते बैन किया गया है, जिनमें सुम्मी (क्वार्टरमाइलर, हरियाणा) — 2 साल का बैन (14 अक्टूबर 2024 से), रेशमा दत्ता केवटे — 4 साल का बैन, श्रीराग ए.एस. क्क 5 साल का बैन, अनिरुद्ध अरविंद (रेसिंग कार ड्राइवर, चेन्नई) — 3 महीने का बैन (22 अगस्त से), रोहित चमोली (मुक्केबाज़, एशियन जूनियर गोल्ड मेडलिस्ट 2021) — 2 साल का बैन (23 अगस्त से)।

त्रिकोणीय टी-20 सीरीजः अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हराया, इब्राहिम, अतल ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली, एजेंसी। शारजाह में खेले जा रहे त्रिकोणीय टी-20 सीरीज़ के तहत मंगलवार रात खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हरा दिया। श्रृंखला में तीसरी टीम यूएई की है। अफगानिस्तान की जीत के नायक रहे इब्राहिम ज़ादरान (65) और सिदीकुल्लाह अतल (64), जिन्होंने शानदार अर्धशतक जमाए। इसके बाद गेंदबाज़ों ने सामूहिक प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की पारी को दबाव में रखा। पाकिस्तान की ओर से फ़हीम अशरफ़ (4/27) सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रहमानुल्लाह गुरबाज़ 8 रन बनाकर सैम अयूब का शिकार बने। इसके बाद अतल और इब्राहिम ने पारी संभाली और कई शानदार शॉट्स लगाए। दोनों ने नौवें ओवर में 50 रनों की साझेदारी पूरी की। 14वें ओवर में सूफ़ियान मुकीम के खिलाफ 20 रन लेकर मैच का रुख पलट दिया। इसी ओवर में अतल ने अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया। दोनों के बीच 113 रनों की साझेदारी हुई। अशरफ़ ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए इब्राहिम, उमरज़ई और करीम जन्नत को आउट किया। हालांकि, मोहम्मद नबी ने तेज़ पारी खेलकर अफगानिस्तान को 169/5 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। साहिबज़ादा फ़रहान ने छक्का जड़ा, लेकिन दूसरे छोर से सैम अयूब पहली ही गेंद पर फ़ज़लहक़ फ़ारूकी के शिकार हो गए। फ़खर ज़मान और फ़रहान ने रनगति तेज की, मगर जल्द ही दोनों आउट हो गए। सलमान अली आगा के रन-आउट होने से पाकिस्तान पर दबाव और बढ़ गया।

मेडिकल सब्स्टीट्यूट मिले, नई गेंद कभी भी मिले, टेस्ट को रोमांचक बनाने के लिए कुक-वॉन के सुझाव

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने टेस्ट क्रिकेट के नियमों में बदलाव की मांग करते हुए सुझाव दिया है कि टीमों को 160 ओवरों के भीतर किसी भी समय नई गेंद लेने का विकल्प मिलना चाहिए। मौजूदा नियम के तहत नई गेंद केवल 80 ओवर पूरे होने के बाद ही ली जा सकती है। वहीं, इंग्लैंड के एक और पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने फिर से टेस्ट क्रिकेट में आपातकाल स्थिति में मेडिकल सब्स्टीट्यूट की बात कही है। कुक और वॉन दोनों के इन सुझावों ने एक बार फिर बहस छेड़ दी है कि क्या टेस्ट क्रिकेट को आधुनिक समय के अनुरूप और रोमांचक बनाने के लिए मौजूदा नियमों में बदलाव की जरूरत है।

नई गेंद के नियम में बदलाव से रोमांच बढ़ेगा: कुक, जिन्होंने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था, का मानना है कि यह बदलाव खेल को और अधिक रोमांचक तथा रणनीतिक बना सकता है। उन्होंने 'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट पर कहा, मैं टेस्ट क्रिकेट में एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा। आप 160 ओवरों में जब चाहें नई गेंद ले सकते हैं। आपको उन 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें मिली हैं और आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवर के बाद नई गेंद ले सकते हैं।

रणनीति और संतुलन पर पड़ेगा असर : कुक का यह सुझाव इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में गेंद की स्थिति का खेल के नतीजे पर गहरा असर पड़ता है। नई गेंद आम तौर पर तेज गेंदबाजों को मदद देती है, जबकि पुरानी गेंद से स्पिनरों को फायदा होता है। ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति के अनुसार नई गेंद लेने की छूट मिलने पर मुकाबले और ज्यादा दिलचस्प हो सकते हैं।

चोटिल खिलाड़ी के लिए सब्स्टीट्यूट जरूरी : इसी पॉडकास्ट में इंग्लैंड के एक और पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी क्रिकेट के नियमों में बदलाव की जरूरत जताई। वॉन ने कहा कि अन्य खेलों की तरह क्रिकेट में भी चोटिल खिलाड़ी की जगह सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी को उतारने का प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने हाल में समाप्त भारत-इंग्लैंड श्रृंखला का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांव में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे थे, जबकि उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने केवल विकेटकीपिंग की। वॉन के मुताबिक, मौजूदा नियमों में केवल 'कन्कशन सब्स्टीट्यूट' की अनुमति है, जबकि सामान्य चोट के मामलों में यह सुविधा नहीं दी जाती।

भारत-इंग्लैंड सीरीज का उदाहरण : वॉन ने कहा, मान लीजिए कि मैच की पहली पारी में ऋषभ पंत के हाथ में चोट लग जाती है। वह बल्लेबाजी तो कर सकते हैं, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर सकते। मौजूदा नियमों के अनुसार भारत ध्रुव जुरेल जैसे किसी अन्य विकेटकीपर को तब तक नहीं उतार सकता, जब तक कि वह कन्कशन का मामला न हो। हमारे पास कन्कशन के लिए सब्स्टीट्यूट का प्रावधान है तो फिर चोट लगने पर सब्स्टीट्यूट उतारने का प्रावधान क्यों नहीं है। अन्य खेलों में ऐसा होता है और इससे खेल की प्रतिस्पर्धा भी बनी रहती है।

लखपति दीदी पहल योजना के अंतर्गत जिलास्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

बलरामपुर, एजेंसी। जिला पंचायत के सभागार में जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर की अध्यक्षता में आज बुधवार को लखपति दीदी पहल योजना के अंतर्गत जिलास्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित लखपति अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई एवं आगामी कार्य योजना पर चर्चा की गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर ने सभी विभागों से समन्वय बनाकर लखपति दीदी पहल को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएगा, बल्कि जिले के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एनआरएलएम के द्वारा लखपति योजना के अंतर्गत किये गए कार्यों की जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार, विगत वर्ष में जिले की लगभग कुल 1,10,000 स्व-सहायता समूह सदस्य दीदियों में से लगभग 35,242 दीदियों को लखपति दीदी बनाया गया था। वर्ष 2025-26 के लिए 20,842 दीदियों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रकार कुल 56,084 समूह सदस्यों को इस योजना से जोड़ने की रूपरेखा तैयार की गई है।

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई, जिनसे दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। कृषि विभाग द्वारा बीज उत्पादन कार्यक्रम, कृषि उपकरणों में मिलने वाले अनुदान की जानकारी दी गई। मछली पालन विभाग द्वारा ने निजी भूमि में तालाब निर्माण योजना के बारे में बताया गया। उद्यानिकी विभाग ने मसाला, प्याज क्षेत्र विस्तार योजना एवं बाँस रोपण पर अनुदान संबंधी जानकारी साझा की गई। श्रम विभाग द्वारा दीदी रिक्शा योजना से अवगत कराया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला कोष योजना की जानकारी दी गई। अंत्यवसायी विभाग ने अंत्योदय विकास योजना एवं आदिवासी विकास योजना की जानकारी साझा की। रेशम विभाग द्वारा दी जाने वाली अनुदान योजनाओं बताया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा जैविक कृषि के लिए मास्टर ट्रेनर उपलब्ध कराने की पहल की गई।

'हर दिन हर घर आयुर्वेद' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अंतर्गत कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में आयुष विभाग दुर्ग द्वारा 01 से 21 सितम्बर 2025 तक 'हर दिन हर घर आयुर्वेद' थीम पर विविध आयुर्वेदिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान की शुरुआत 01 सितम्बर को समस्त संस्थाओं में भगवान धन्वंतरी की पूजा-अर्चना से की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में पाम्पलेट वितरण कर आगामी 21 दिनों तक चलने वाले आयुर्वेद संबंधी आयोजनों की जानकारी दी गई। आज जागरूकता रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से आम जनता को आयुर्वेद के महत्व और उपयोगिता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन हेतु टीम बनाकर कार्य किया जा रहा है, जो विभिन्न संस्थाओं और समुदायों में पहुंचकर कार्यक्रम संचालन सुनिश्चित कर रही है।

कलेक्टोरेट में लगी रजत महोत्सव प्रदर्शनी, विद्यार्थियों को मिलेगा प्रेरणादायक इतिहास

कलेटर ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जिले में रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। इसके तहत 15 अगस्त 2025 से मार्च 2026 तक कुल 25 सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्टोरेट स्थित लोक सेवा केन्द्र (सीएससी) में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव की प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ियों के संघर्ष की प्रेरक और गौरवशाली परंपरा को उजागर करती है। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की आज़ादी की गाथा को दर्शाया गया है, जिसे कलेक्टोरेट में आम जनता और स्कूली विद्यार्थियों के लिए रखा गया है, ताकि वे प्रदेश के गौरवशाली इतिहास को जान सकें और उससे प्रेरणा प्राप्त कर सकें। प्रदर्शनी का संकलन, संयोजन और प्रस्तुति छत्तीसगढ़ शासन के पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, संस्कृति विभाग द्वारा किया गया है। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर अभिजीत बबन पठारे, एडीएम अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंग एवं जनपद दुर्ग सीईओ रूपेश पाण्डेय भी उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी सहायिकाओं की भर्ती, दावा आपत्ति 12 तक

दुर्ग, एजेंसी। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड क्र. 28 आंगनबाड़ी केन्द्र प्रेमनगर-2 उडियापारा एवं वार्ड क्र. 59 आंगनबाड़ी केन्द्र सेक्टर-5 में तथा नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड क्र. 17 के आंगनबाड़ी केन्द्र स्टेशन मरोदा में आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार उक्त केन्द्रों में प्राप्त आवेदनों के मूल्यांकन पश्चात् समिति द्वारा अनंतिम मूल्यांकन पत्रक का प्रकाशन किया गया है। उक्त मूल्यांकन पत्रक नगर पालिक निगम भिलाई/रिसाली एवं कार्यालय भिलाई-01 जुनवानी जिला दुर्ग के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है, जिस पर आवेदिकाएं 12 सितंबर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 चिखली मुख्य मार्ग जुनवानी में कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकती हैं।

लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन 30 सितंबर तक

गरियाबंद, एजेंसी। संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन के आदेशानुसार शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला रायपुर में सत्र नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए 1 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 की अवधि में आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगे। इस तिथि के पूर्व एवं पश्चात प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नही किया जाएगा। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला से मिली जानकारी के अनुसार लेखा प्रशिक्षण सत्र नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारी अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र भेज सकते है। यह आवेदन शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, नगर घड़ी चौक रायपुर को 30 सितंबर 2025 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए।लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर। मानक आवेदन पत्र पर ही आवेदन स्वीकार किये जायेंगें। आवेदन जिस सत्र के प्रशिक्षण हेतु किया गया है, उस सत्र के लिये ही मान्य होगा। पूर्व प्रचलित आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेगें। आवेदन पत्र के साथ अन्य आवश्यक सुसंगत दस्तावेज संलग्न होना चाहिए। आवेदन का निर्धारित प्रारूप एवं अन्य जानकारी प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला रायपुर, से प्राप्त किए जा सकते है। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश संभाग के समस्त जिला कोषालायों के सूचना पटल पर अवलोकन किये जा सकते हैं।

गणित और अंग्रेजी शिक्षकों के लिए होगा वॉक इन इंटरव्यू

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में व्यायाता और शिक्षकों की भर्ती

सारंगढ़ बिलाईगढ़, एजेंसी। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय सारंगढ़ में 3 सितम्बर को व्याख्याता (अंग्रेजी) सहायक शिक्षक (गणित, अंग्रेजी) शिक्षक (गणित व अंग्रेजी) का वॉक इन इंटरव्यू लिया जाएगा। सुबह 9 बजे से 11 बजे तक आवेदन पत्र जमा और पंजीयन तथा परीक्षण कार्य होगा। निर्धारित समय 11 बजे के बाद आवेदन पंजीयन स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। प्रातः 11ः30 से दोपहर 12ः30 बजे तक शैक्षणिक योग्यता के आधार पर मेरिट सूची का प्रकाशन एवं दावा आपत्ति जमा किया जाएगा। दोपहर 1 बजे से 1ः30 बजे तक तक दावा आपत्ति का निराकरण एवं इंटरव्यू के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। दावा आपत्ति के निराकरण के पश्चात इंटरव्यू प्रारंभ किया जाएगा। इस संविदा भर्ती का विज्ञापन वेबसाइट सारंगढ़ बिलाईगढ़ डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन पर उपलब्ध है।

नगर पंचायत पाटन के चौक-चौराहे हुये रौशन

दुर्ग, एजेंसी। जिले के नगर पंचायत पाटन के चौक-चौराहे में प्रकाश की समुचित प्रबंध किये गये हैं। लोक निर्माण विभाग (विद्युत/यांत्रिकी) संभाग दुर्ग के कार्यपालन अभियंता से मिली जानकारी अनुसार पाटन नगर के आत्मानंद चौक से खोरपा मार्ग तक प्रकाश व्यवस्था हेतु विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उक्त मार्ग में कुल 76 नग 9 मीटर आक्टैगनल पोल एवं 134 नग एलईडी लाईट लगाकर पाटन नगर के आत्मानंद चौक के अतंर्गत सीएसईबी ऑफिस के सामने से लेकर बाजार मार्ग से होते हुए खोरपा चौक तक प्रकाश व्यवस्था किया गया है। बाजार चौक में प्रकाश व्यवस्था हेतु शिफ्टिंग किये गये विद्युत पोल में एलईडी लाईट लगाकर प्रकाश का उचित व्यवस्था किया गया है। नगर के सभी स्ट्रीट लाईट सुचारू रूप से कार्य कर रहा है।

मिशन शक्ति हब के अंतर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का शुभारंभ

एमसीबी। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में मिशन शक्ति हब अंतर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का शुभारंभ सिविल लाइन स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर के निर्देश तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसका संचालन जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा ने किया। अभियान में महिलाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं जैसे दृ लैंगिक असमानता उन्मूलन, बाल विवाह रोकथाम, सखी वन-स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड लाइन 1098 तथा सुकन्या समृद्धि योजना की विस्तृत जानकारी दी गई।

बीईओ ने उल्लास साक्षरता केंद्र का किया निरीक्षण, ग्रामीण शिक्षा का आदर्श मॉडल बना केंद्र

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भरतपुर विकासखंड के ग्राम कुंवारी स्थित उल्लास साक्षरता केंद्र का निरीक्षण विकासखंड शिक्षा अधिकारी भरतपुर मोहम्मद इस्माइल खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर विकासखंड साक्षरता नोडल अधिकारी राजकुमार नामदेव एवं संकुल समन्वयक रमेश पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्र की गतिविधियों का अवलोकन किया और शिक्षार्थियों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। साक्षरता केंद्र में अध्ययनरत सभी शिक्षार्थियों को समय पर आवश्यक शैक्षणिक सामग्री - पुस्तकें, कॉपियां, पेंसिल एंड रबर - उपलब्ध कराई गई है।

स्वयंसेवी शिक्षक कु. रोशनी मनोयोगपूर्वक विद्यार्थियों को बुनियादी शिक्षा प्रदान कर रही हैं, जिससे उनमें पढ़ाई के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। ग्राम प्रभारी एवं प्रधान पाठक रामप्रयाग पटेल द्वारा साक्षरता केंद्र का संचालन अनुशासित एवं व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है, जिससे केंद्र का वातावरण सकारात्मक एवं शिक्षण के अनुकूल बना हुआ है। अधिकारियों ने साक्षरता केंद्र की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास न केवल शिक्षा के स्तर को उन्नत करते हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता अभियान को नई दिशा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों एवं शिक्षार्थियों से संवाद करते हुए यह संदेश दिया कि शिक्षा जीवन में सफलता का आधार है, सभी को इसे प्राप्त करने का निरंतर प्रयास करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान यह भी उल्लेख किया गया कि केंद्र के नियमित संचालन से गांव में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है और सभी आयु वर्ग के लोग इसमें शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर अधिकारियों ने साक्षरता केंद्र की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव दिए तथा विभागीय स्तर पर आवश्यक सहयोग निरंतर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। स्थानीय समाज ने भी साक्षरता केंद्र के अनुशासित संचालन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था पर संतोष एवं आभार व्यक्त किया।

नगर पंचायत पवनी में भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस और नगरवासियों ने दिया धरना

सारंगढ़-बिलाईगढ़, एजेंसी। नगर पंचायत पवनी में 60 लाख रुपये के कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नगरवासियों ने सोमवार को धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत में लगाए गए स्ट्रीट लाइट्स घटिया गुणवत्ता के कारण पहले ही खराब हो चुके हैं। यह मामला केवल आर्थिक अनियमितता नहीं बल्कि नगरवासियों के साथ विश्वासघात भी है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप:कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष भागवत साहू और स्थानीय नागरिकों ने कहा कि नगर पंचायत पवनी में 60 लाख रुपये की राशि स्ट्रीट लाइट्स लगाने के नाम पर खर्च दर्शाई गई, लेकिन ठेकेदार और नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई।

पहले भी हुई थी शिकायत:प्रदर्शनकारियों ने बताया कि इस मामले में पहले भी अनुविभागीय अधिकारी (SDO) से शिकायत की गई थी। उस दौरान जांच टीम ने मात्र खानापूर्ति कर दी, लेकिन किसी भी अधिकारी या ठेकेदार पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

दोबारा धरने की मजबूरी:लोगों ने कहा कि कार्रवाई न होने से असंतुष्ट होकर उन्हें दोबारा सड़क पर उतरना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही निष्पक्ष जांच नहीं की गई और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

रजत जयंती वर्ष पर महाविद्यालय में पुस्तक मेला का आयोजन, विद्यार्थी एवं शिक्षक होंगे लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जिला स्तरीय पुस्तक मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय मेला 08 से 10 सितम्बर 2025 तक प्रतिदिन प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक महाविद्यालय परिसर में संपन्न होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पुस्तक प्रेमियों में पठन-पाठन की संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें विभिन्न विषयों की नवीनतम एवं महत्वपूर्ण पुस्तकों से अवगत कराना है। मेले में देश-प्रदेश के कई प्रतिष्ठित प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता भाग लेंगे, जो साहित्य, विज्ञान, इतिहास, तकनीकी, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा सामान्य ज्ञान से संबंधित पुस्तकों का प्रदर्शन करेंगे। महाविद्यालय प्राचार्य ने जानकारी दी कि पुस्तक मेला विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्धन का सुनहरा अवसर है। उन्होंने जिले के पुस्तक प्रेमियों से अपील की है कि वे इस आयोजन में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाएं। साथ ही बताया कि पुस्तकें केवल अध्ययन सामग्री ही नहीं, बल्कि जीवन निर्माण का आधार भी होती हैं, और ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित होती है।

प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने कलेक्टर ने दिए ऑनबोर्डिंग प्रणाली लागू करने के निर्देश

समय-सीमा बैठक में विभागीय कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

दुर्ग, एजेंसी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में सभी विभाग प्रमुखों को ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि अब सभी नई फाइलें केवल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से ही प्रेषित की जाएं। इसी तरह अधिकारियों के अवकाश आवेदन भी इसी प्रणाली से प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की और साथ ही विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों की वर्तमान स्थिति की जानकारी भी अधिकारियों से प्राप्त की। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि लंबित मामलों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार कर शीघ्र सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण की जाए, ताकि योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक समय पर पहुंच सके। कलेक्टर ने राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर सभी विभागों को अपनी-अपनी साप्ताहिक कार्ययोजना के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग को गतिविधियां संचालित करनी होंगी। वर्तमान में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर आयोजन करने को कहा गया है। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि इन आयोजनों का फोटो और वीडियो दस्तावेज के रूप में संधारित किया जाना अनिवार्य होगा। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत नगरीय निकायों को अनुपचारित जल प्रबंधन के लिए परियोजना प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने को कहा गया। वहीं 400 केवी डबल सर्किट पावरग्रिड रायपुर-पुल-धमतरी ट्रांसमिशन लाइन से प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी से विद्यार्थियों के स्थायी जाति प्रमाण पत्र एवं निवास प्रमाण पत्र बनाकर विद्यालयों में वितरण की योजना की प्रगति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कर शीघ्रता से कार्यवाही करते हुए उन्हें तहसील कार्यालय भेजा जाए, ताकि सत्यापन के उपरांत प्रमाण पत्र तैयार किए जा सकें। इसके अतिरिक्त प्रत्येक स्कूलों में विद्यार्थियों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट करने को भी कहा गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जिले में सिकल सेल की जांच संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए गए। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत बनाए गए संदिग्ध राशन कार्डों का भौतिक सत्यापन शीघ्र करने को कहा गया, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने धान उपार्जन हेतु पीडीएस बारदाना के संग्रहण और सुरक्षित रख-रखाव की स्थिति की जानकारी ली। इस पर संबंधित अधिकारी ने बताया कि बारदाना का संग्रहण समितियों द्वारा किया जा रहा है और वे इसे अपनी कस्टडी में सुरक्षित रूप से रख रहे हैं। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत होल्ड फॉर वेरिफिकेशन की श्रेणी में दर्ज हितग्राहियों का शीघ्र सत्यापन कराने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में विलंब होने से पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं, इसलिए संबंधित अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर सत्यापन कार्य पूर्ण करें, ताकि सभी पात्र महिलाओं को समय पर योजना का लाभ मिल सके। बैठक में सहायक कलेक्टर अभिजीत बबन पठारे, एडीएम अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, श्रीमती सिल्ली थॉमस, एसडीएम सोनल डेविड, महेश राजपूत एवं हितेश पिस्दा, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव सहित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा